सोमवार, 20 अप्रैल 2026

www.tvbharatvarsh.in

E-PAPER

कुल पृष्ठ–08

वरुण तेजी से 200 टी20 विकेट लेने वाले भारतीय स्पिनर बन गए

Page-04

भारतवर्ष

सच्ची खबर, सीधे आपके लिए

धुरंधर ने फिल्म इंडस्ट्री में फूंकी की जान

Page-05

अपर्णा यादव के खिलाफ कार्यकर्ताओं ने हजरतगंज थाने में तहरीर दी

राष्ट्रीय, टीवी भारतवर्ष

ईसमाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव प्रदीप कुमार समेत कई नेताओं ने थाने पहुंचकर लिखित शिकायत दी. उनका कहना है कि यह सिर्फ राजनीतिक विरोध नहीं, बल्कि एक संगठित तरीके से पार्टी की छवि को नुकसान पहुंचाने की कोशिश है. नेताओं ने मांग की है कि इस मामले में कार्रवाई होनी चाहिए ताकि भविष्य में ऐसी घटनाएं न हों. जानकारी के अनुसार, शुक्रवार (17 अप्रैल) देर रात अपर्णा यादव अपने समर्थकों के साथ सड़कों पर उतरीं और प्रदर्शन किया. इस दौरान उन्होंने विपक्ष के खिलाफ जोरदार नारेबाजी की. अपर्णा यादव ने आरोप लगाया कि महिला आरक्षण बिल पास न होने के पीछे विपक्ष जिम्मेदार है. उन्होंने कहा कि विपक्ष का रवैया महिलाओं के प्रति नकारात्मक है और यह 'नारी विरोधी' सोच को दर्शाता है, जिसके खिलाफ उनका यह प्रदर्शन किया गया प्रदर्शन के दौरान उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष अपर्णा यादव ने विपक्षी दलों पर तीखे शब्दों में हमला बोला. इसी दौरान झंडा जलाने की घटना सामने आई, जिसने पूरे मामले को और ज्यादा संवेदनशील बना दिया. सपा नेताओं का कहना है कि लोकतंत्र में विरोध का अधिकार है, लेकिन इस तरह के कदम गलत परंपरा को बढ़ावा देते हैं.

धामी ने चारधाम यात्रा 2026 का किया शुभारंभ

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शनिवार को ऋषिकेश में संयुक्त रोटेशन यात्रा व्यवस्था समिति द्वारा आयोजित चारधाम यात्रा-2026 के शुभारम्भ कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने चार धाम जाने वाली बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने श्रद्धालुओं के लिए स्थापित निशुल्क स्वास्थ्य शिविर का भी निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री ने देश भर से आए श्रद्धालुओं का उत्तराखंड में स्वागत करते हुए कहा कि चारधाम यात्रा - आस्था, साधना और आत्मा को जोड़ने का मार्ग है। यह यात्रा हर कठिनाई को पार करने की शक्ति देती है। उन्होंने कहा सरकार का संकल्प है कि यात्रा सुगम, सुरक्षित, सुव्यवस्थित और दिव्य हो। चारधाम यात्रा करोड़ों श्रद्धालुओं को आत्मिक शांति और आध्यात्मिक ऊर्जा प्रदान करती है।

आपूर्ति पर बढ़ा दबाव देश में एलपीजी खपत 13% घटी

पश्चिम एशिया तनाव के बीच भारत में एलपीजी खपत 13% घटी, आपूर्ति संतुलन बनाए रखने में जुटी सरकार

- देश में रसोई गैस (एलपीजी) की खपत को लेकर हालिया आंकड़े एक बड़ा बदलाव दिखा रहे हैं, जिसकी मुख्य वजह अंतरराष्ट्रीय हालात माने जा रहे हैं। मार्च 2026 में एलपीजी खपत में सालाना आधार पर करीब 13 प्रतिशखासकर होरमुज जलडमरूमध्य पर असर के कारणात की गिरावट दर्ज की गई है।

आंकड़ों के मुताबिक, मार्च 2026 में देश में कुल 23.79 लाख टन एलपीजी की खपत हुई, जबकि पिछले साल इसी महीने यह 27.29 लाख टन थी। भारत अपनी जरूरत का लगभग 60 प्रतिशत एलपीजी आयात करता है और इसका बड़ा हिस्सा इसी समुद्री मार्ग से आता है। हालिया संघर्षों के चलते सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात जैसे प्रमुख आपूर्तिकर्ताओं से सप्लाई प्रभावित हुई है।घरेलू जरूरतों को प्राथमिकता देने के लिए केंद्र सरकार ने व्यावसायिक और औद्योगिक उपयोग में एलपीजी की आपूर्ति घटा दी है। इसके चलते घरेलू सिलेंडर की बिक्री में 8.1 प्रतिशत की कमी दर्ज हुई और यह 22.19 लाख टन रही, जबकि थोक बिक्री में 75 प्रतिशत से अधिक गिरावट देखी गई।इस स्थिति से निपटने के लिए सरकार ने रिफाइनरियों को पेट्रोकेमिकल उत्पादन कम कर एलपीजी उत्पादन बढ़ाने के निर्देश दिए। इसका असर भी दिखा और मार्च में घरेलू उत्पादन बढ़कर 14 लाख टन हो गया, जो पिछले साल 11 लाख टन था। पूरे वित्त वर्ष 2025-26 में एलपीजी उत्पादन बढ़कर 1.31 करोड़ टन तक पहुंच गया, जबकि खपत में भी 6 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई और यह 3.32 करोड़ टन रही। यह संकेत देता है कि देश में स्वच्छ ईंधन की मांग लगातार बढ़ रही है।वहीं, इस वैश्विक तनाव का असर विमान ईंधन पर भी पड़ा है, जहां खपत लगभग स्थिर रही। इसके विपरीत पेट्रोल और डीजल की मांग में तेजी देखने को मिली है—मार्च में पेट्रोल की खपत 7.6 प्रतिशत बढ़कर 37.8 लाख टन और डीजल की खपत 8.1 प्रतिशत बढ़कर 87.27 लाख टन रही।विशेषज्ञों का मानना है कि यदि पश्चिम एशिया में तनाव लंबा खिंचता है, तो भारत जैसे आयात-निर्भर देशों के लिए ऊर्जा आपूर्ति चुनौतीपूर्ण हो सकती है। हालांकि, सरकार के प्रयासों से फिलहाल घरेलू जरूरतों को संतुलित बनाए रखने की कोशिश जारी है।

तमिलनाडु एक रैली को संबोधित करते हुए कांग्रेस पर बरसे

राष्ट्रीय, टीवी भारतवर्ष

पप्रधानमंत्री मोदी ने एक रैली को संबोधित करते हुए कहा, 'आज अपनों के बीच मैं अपनी पीड़ा और अपना गुस्सा व्यक्त करना चाहता हूं. 2023 में हमने नारी शक्ति वंदन अधिनियम पारित किया और इस महीने की 16 तारीख को हम संसद में महिलाओं के लिए आरक्षण लागू करने के लिए महत्वपूर्ण विधेयक लेकर आए. मैंने सभी पार्टियों से इसका समर्थन करने का अनुरोध किया. लेकिन DMK, कांग्रेस और उनके साथियों ने इसे नफरत और ओछी राजनीति का शिकार बना लिया. अगर ये बिल पारित हो जाता तो तमिलनाडु की बहुत सारी महिलाएं विधायक और सांसद बन पाती. लेकिन DMK ऐसा नहीं होने देना चाहती.' पीएम मोदी ने कहा, 'DMK के कृत्य अब बहुत अच्छे से एक्सपोज हो चुके हैं. जनता DMK के काले कारनामे अच्छे से जान चुकी है. झूठ फैलाने से DMK के काले कारनामे छिपने वाले नहीं हैं.' प्रधानमंत्री ने कहा, 'तमिलनाडु के लोग एक स्पष्ट संदेश देना चाहते हैं कि 'NDA इन, DMK आउट... उन्होंने कहा, 'तमिलनाडु में महिलाएं अपराधियों से सुरक्षित नहीं हैं. लेकिन अब DMK की इस महिला-विरोधी मानसिकता का जवाब निश्चित रूप से दिया जाएगा. '

सादगी भरा अंदाज सोशल मीडिया पर वायरल

झारग्राम में पीएम मोदी ने लिया झालमुड़ी का स्वाद

पश्चिम बंगाल में चुनावी माहौल के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का एक अलग और सहज अंदाज देखने को मिला। लगातार व्यस्त चुनावी रैलियों के बीच उन्होंने झारग्राम में रुककर स्थानीय स्ट्रीट फूड 'झालमुड़ी' का स्वाद लिया, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

रविवार को पीएम मोदी ने पुरुलिया, झारग्राम, मेदिनीपुर और बिष्णुपुर में चार बड़ी जनसभाओं को संबोधित किया। इसी व्यस्त कार्यक्रम के दौरान उन्होंने झारग्राम में एक छोटे से दुकान पर रुककर दुकानदार से खुद झालमुड़ी बनवाने की इच्छा जताई। पीएम को अपने बीच पाकर वहां मौजूद लोगों में खासा उत्साह देखने को मिला।झालमुड़ी खाने के बाद जब प्रधानमंत्री ने भुगतान करना चाहा तो दुकानदार ने पहले पैसे लेने से इनकार कर दिया, लेकिन पीएम मोदी के आग्रह पर उसने आखिरकार पैसे स्वीकार किए। इस छोटे से घटनाक्रम को लोगों ने प्रधानमंत्री के आम जन से जुड़ाव के रूप में देखा।पीएम मोदी ने इस पूरे पल का वीडियो और तस्वीरें सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर भी साझा कीं। उन्होंने लिखा कि व्यस्त कार्यक्रम के बीच झारग्राम में स्वादिष्ट झालमुड़ी का आनंद लेने का अवसर मिला। वीडियो में वे हल्के-फुल्के अंदाज में

दुकानदार से बातचीत करते नजर आ रहे हैं।झालमुड़ी पश्चिम बंगाल का एक प्रसिद्ध स्ट्रीट फूड है, जिसे मुरमुरे, प्याज, हरी मिर्च और सरसों के तेल के साथ तैयार किया जाता है। इसका चटपटा स्वाद स्थानीय लोगों के साथ-साथ पर्यटकों को भी खूब आकर्षित करता है।

मरा समझ छोड़ गए, दो दिन बाद मिला जिंदा

हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा जिले से एक दिल दहला देने वाला सामने आया है। यहां एक टैक्सी चालक पर जानलेवा हमला कर उसे जंगल में मृत समझकर छोड़ दिया गया। पुलिस की त्वरित कार्रवाई से चालक की जान बच गई और दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस थाना माझीण में 19 अप्रैल को गांव पड़ेला, डाकघर टिहरी निवासी प्रताप सिंह ने शिकायत दर्ज करवाई कि उनके बड़े भाई मेहर सिंह, जो पेशे से टैक्सी चालक हैं, 17 अप्रैल को टैक्सी लेकर घर से निकले थे, लेकिन दो दिन तक वापस नहीं लौटे। शिकायत मिलते ही पुलिस ने गुमशुदगी का मामला दर्ज कर जांच शुरू की। जांच के दौरान सामने आया कि 17 अप्रैल को दोपहर करीब 1:30 बजे दो युवकों ने टैक्सी चालक को गगरेट के लिए किराए पर लिया था।

पीएम मोदी से अहम वार्ता

दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति ली जे मायुंग भारत पहुंचे

राष्ट्रीय, टीवी भारतवर्ष

दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति ली जे मायुंग रविवार को अपनी तीन दिवसीय भारत यात्रा पर पहुंचे। नई दिल्ली पहुंचते ही विदेश मंत्री एस जयशंकर ने उनसे मुलाकात की। जयशंकर ने विश्वास जताया कि यह दौरा दोनों देशों के रणनीतिक रिश्तों को नई मजबूती देगा। मुलाकात के बाद विदेश मंत्री ने एक्स पर तस्वीरें साझा कीं। उन्होंने राष्ट्रपति ली की प्रतिबद्धता की सराहना की। जयशंकर ने लिखा कि प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति ली के बीच सोमवार को होने वाली वार्ता बेहद महत्वपूर्ण होगी। विदेश मंत्री ने

लिखा, 'भारत की राजकीय यात्रा पर आए कोरिया गणराज्य के राष्ट्रपति ली जे मायुंग से मुलाकात करना सम्मान की बात है। विभिन्न क्षेत्रों में भारत-कोरिया संबंधों को गहरा करने की उनकी प्रतिबद्धता सराहनीय है। मुझे पूरा भरोसा है कि कल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ उनकी बातचीत हमारी विशेष रणनीतिक साझेदारी को और मजबूती देगी।' दक्षिण कोरियाई राष्ट्रपति की यह यात्रा व्यापार, रक्षा और महत्वपूर्ण तकनीक जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के लिहाज से अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जा रही है। विदेश मंत्रालय के अनुसार, सोमवार को प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति ली के बीच होने वाली उच्चस्तरीय बैठक में कई प्रमुख बिंदुओं पर चर्चा होगी, जिसमें व्यापार और निवेश को बढ़ावा देना, भविष्य की तकनीक और दोनों देशों के नागरिकों के बीच आपसी संवाद और सांस्कृतिक जुड़ाव को और बेहतर बनाना शामिल हैं।

वैश्विक तेल आपूर्ति पर मंडराया संकट

होर्मुज जलडमरूमध्य पर बढ़ा ईरान-अमेरिका तनाव

ईरान-अमेरिका के बीच इस्लामाबाद में चली 21 घंटे की मैराथन बैठक का कोई नतीजा नहीं निकल सका है। इससे दोनों पक्षों में सीजफायर टूटने की आशंका बढ़ गई है। ईरान ने परमाणु कार्यक्रम से पीछे हटने और होर्मुज खोलने से मना कर दिया है। इससे भड़के अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस अमेरिका लौट गए हैं।

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

ईरान-अमेरिका के बीच होर्मुज को लेकर फिर से तनाव बढ़ गया है। ट्रंप की बयानबाजी के चलते ईरान ने दोबारा होर्मुज को बंद कर दिया है। ईरानी संसद के स्पीकर मोहम्मद गालिबाफ ने कहा कि अगर 'हम होर्मुज से खुद नहीं गुजर सकते तो दूसरों के लिए गुजरना असंभव' है। ईरान ने अपनी प्रतिज्ञा को और मजबूत करते हुए कहा है कि जब तक अमेरिका द्वारा ईरानी बंदरगाहों पर लगाई गई नाकेबंदी नहीं हटा लेता, तब तक होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले जहाजों पर पाबंदी लागू रहेगी। ईरान और अमेरिका के बीच लागू सीजफायर 3 दिन बाद यानी 22 अप्रैल को खत्म हो जाएगा। इसके बाद दोनों देशों में फिर से जंग छिड़ने की आशंका बढ़ गई है। क्योंकि अभी तक दूसरे दौर की वार्ता की कोई तारीख नहीं तय हुई है और इसके आसार भी बहुत कम नजर आ रहे हैं। गालिबाफ़ ने एक टेलीविजन साक्षात्कार में कहा कि तेहरान महत्वपूर्ण जलमार्ग से गुजरने वाले वाणिज्यिक जहाजों को लगातार धमकी देता रहेगा। शनिवार को ईरान ने गुजरने की कोशिश कर रहे जहाजों पर गोलीबारी भी की थी। "जब हम खुद नहीं गुजर सकते, तो दूसरों के लिए हार्मुज जलडमरूमध्य से गुजरना असंभव है।" ईरान की नौसेना ने जहाजों को चेतावनी दी है कि वे इस जलडमरूमध्य से न गुजरें। यह जलडमरूमध्य विश्व के लगभग पांचवें हिस्से के तेल का सामान्य परिवहन मार्ग है। ईरान ने शनिवार को कहा कि उसे अमेरिका से नए प्रस्ताव मिले हैं और पाकिस्तानी मध्यस्थ दूसरे दौर की प्रत्यक्ष बातचीत का इंतजाम करने में लगे हैं। ईरान के लिए होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद करना शायद उसका सबसे शक्तिशाली हथियार है। इससे विश्व अर्थव्यवस्था को खतरा है और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर राजनीतिक दबाव बढ़ रहा है। दूसरी ओर, अमेरिका के लिए यह नाकेबंदी ईरान की पहले से कमजोर अर्थव्यवस्था को और दबाव में डाल रही है तथा सरकार को लंबे समय तक नकदी प्रवाह से वंचित कर रही है। गालिबाफ ने कहा, "शहादत के सिवा मेरे लिए कोई सफलता नहीं; मैं लोगों को उनके अधिकार दिलाने के लिए अपनी जान और शोहरत दोनों कुर्बान करने को तैयार हूं।" गालिबाफ ने चेतावनी दी है कि अमेरिका अगर अड़ियल रहा तो ईरान भी उसकी शर्तों के आगे झुकना को तैयार नहीं है।

तमिलानाडु बड़ा हादसा 12 मजदूरों की मौत

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

तमिलनाडु में इसी हफ्ते गुरुवार (23 अप्रैल, 2026) को होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले लगातार दूसरे दिन बड़ी दुर्घटना की खबर सामने आई है. राज्य के विरुधुनगर जिले के कत्तनारपट्टी में रविवार (19 अप्रैल, 2026) को एक पटाखा फैक्ट्री में बड़ा विस्फोट हुआ है. स्थानीय पुलिस ने बताया कि इस घटना में फैक्ट्री में काम करने वाले कम से कम 12 मजदूरों की मौत हो गई और कई अन्य घायल भी हुए हैं. इस घटना की खबर सामने आने के बाद राज्य के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने मरने वालों लोगों के परिवार वालों के प्रति संवेदना जताई है और अधिकारियों को जरूरी मदद सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए हैं. जिला पुलिस के एक अधिकारी ने कहा कि अभी तक हमने 12 शव बरामद किए हैं. हमें आशंका है कि संख्या और भी ज्यादा बढ़ सकती है. न्यूज एजेंसी पीटीआई की रिपोर्ट के मुताबिक, जब पटाखा फैक्ट्री में आग लगी, उस वक्त वहां करीब 30 मजदूर काम कर रहे थे. पुलिस ने बताया कि इस धमाके के असर से बिल्डिंग के कुछ हिस्से ढह गए और इसके बाद लगी भीषण आग में पूरी फैक्ट्री जलकर खाक हो गई. तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने इस बड़े हादसे में मरने वाले लोगों के परिजनों के प्रति गहरा शोक व्यक्त किया है. इसके साथ, मुख्यमंत्री ने जिला प्रशासन के अधिकारियों ने सभी जरूरी मदद सुनिश्चित करने का निर्देश भी दिया है. मुख्यमंत्री स्टालिन ने इस घटना के बारे में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट कर जानकारी साझा की. उन्होंने कहा, 'विरुधुनगर जिले के कत्तनारपट्टी में पटाखा फैक्ट्री में हुए विस्फोट में कई लोगों की मौत की दुखद खबर बहुत ही तकलीफ देने वाली है.

सौरभ भारद्वाज ने उठाए सवाल अरविंद केजरीवाल हाई कोर्ट में पेश होंगे

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

दिल्ली की राजनीति में इन दिनों आबकारी नीति मामला लगातार चर्चा में बना हुआ है। इस मामले को लेकर अदालत में सुनवाई का दौर जारी है और हर पेशी के साथ नए पहलू सामने आ रहे हैं। इसी कड़ी में अब यह खबर सामने आ रही है कि अरविंद केजरीवाल एक बार फिर दिल्ली हाईकोर्ट में पेश होंगे। आपको बता दें कि इससे पहले जस्टिस स्वर्णकांता ने इस केस को दोबारा खोलने से मना कर दिया था। लेकिन अब सौरभ गुप्ता ने बताया है कि अरविंद केजरीवाल वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए एक बार फिर दिल्ली हाई कोर्ट में पेश होंगे। इस पूरे मामले में सबसे बड़ा विवाद इस बात को लेकर है कि अदालत कुछ दस्तावेजों को रिकॉर्ड में नहीं ले रही है। सौरभ भारद्वाज ने एक्स पर अपने पोस्ट में लिखा- अरविंद केजरीवाल ने पहले एक अतिरिक्त हलफनामा देने की कोशिश की थी, लेकिन कोर्ट ने उसे स्वीकार नहीं किया। इसके बाद उन्हें खुद अदालत में जाकर पेश होना पड़ा। अब C B I ने उस हलफनामे पर अपना जवाब दे दिया है और केजरीवाल उस पर अपना जवाब देना चाहते हैं। लेकिन उनका कहना है कि उनके इस जवाब को भी रिकॉर्ड में शामिल नहीं किया जा रहा, जिससे उनकी कानूनी प्रक्रिया ठीक से आगे नहीं बढ़ पा रही है। सौरभ भारद्वाज का कहना है कि केजरीवाल का प्रति-जवाब भी कोर्ट रिकॉर्ड में शामिल नहीं किया जा रहा है। उन्होंने सवाल उठाया कि अगर उनके आवेदन, हलफनामे और जवाब को ही दर्ज नहीं किया जाएगा, तो फिर उन्हें न्याय कैसे मिलेगा। इसी मामले को लेकर अरविंद केजरीवाल सोमवार सुबह 10:30 बजे वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए अदालत में पेश होंगे। इस दौरान वे अदालत से निवेदन करेंगे कि उनके प्रति-जवाब को भी रिकॉर्ड में शामिल किया जाए, ताकि उनकी बात सही तरीके से सुनी जा सके।

सीजफायर से पहले IDF का बड़ा एक्शन, 150+ हिजबुल्लाह लड़ाके ढेर

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

I D F ने घोषणा की है कि लेबनान में हिजबुल्लाह के साथ संघर्षविराम समझौते के प्रभाव में आने से ठीक 24 घंटे पहले 150 से अधिक हिजबुल्लाह आतंकवादियों को मार गिराया गया था। साथ ही लगभग 300 से अधिक आर्मी बेस को तबाह कर दिया गया। आईडीएफ के अनुसार इन हमलों में बिंत ज्बील क्षेत्र के हिजबुल्लाह कमांडर अली रिदा अब्बास भी मारा गया। अब्बास ने इजरायली सैनिकों और इजरायल के खिलाफ कई हमलों की योजना बनाई और उन्हें अंजाम दिया था। बिंत ज्बील क्षेत्र के हिजबुल्लाह कमांडर अली रिदा अब्बास की मौत को IDF की एक बड़ी सफलता माना जा रहा है। यह कार्रवाई ऐसे समय में हुई जब अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मध्यस्थता में इजरायल और लेबनान के बीच 10 दिनों का नाजुक संघर्ष विराम लागू होने वाला था। बाद में यह संघर्ष विराम 16-17 अप्रैल की रात को प्रभावी हुआ, लेकिन उससे ठीक पहले IDF ने हिजबुल्लाह की सैन्य क्षमता को भारी नुकसान पहुंचाने का फैसला किया।

आईडीएफ ने कहा कि सीजफायर लाहू होने से पहले हिजबुल्लाह के रॉकेट लॉन्चर, यूएवी (ड्रोन), एंटी-टैंक मिसाइल पॉइंट्स, कमांड सेंटर और अन्य सैन्य ठिकानों पर हमले किए गए। इन कार्रवाइयों का मकसद इजरायली सैनिकों पर किसी भी संभावित खतरे को खत्म करना था। बिंत ज्बील क्षेत्र दक्षिणी लेबनान में हिजबुल्लाह का एक मजबूत गढ़ माना जाता है। पिछले हफ्तों में यहां भारी लड़ाई हुई थी, जिसमें सैकड़ों हिजबुल्लाह आतंकवादी मारे जा चुके हैं। IDF के मुताबिक, अब्बास जैसे कमांडरों की मौत से हिजबुल्लाह की कमांड संरचना पर बड़ा असर पड़ा है। यह घटना इजरायल-हिजबुल्लाह युद्ध के आठवें सप्ताह में हुई, जिसमें अब तक हजारों लोग मारे जा चुके हैं।

विपक्ष के खिलाफ फूटा गुस्सा

बरेली में मुस्लिम महिलाओं का प्रदर्शन

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

लोकसभा में महिला आरक्षण से जुड़े संविधान संशोधन विधेयक के गिरने के बाद शहर में सियासी माहौल गरमा गया। रविवार को दामोदर स्वरूप पार्क में मुस्लिम महिलाओं ने विपक्षी दलों के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन कर अपना विरोध दर्ज कराया। प्रदर्शन के दौरान महिलाओं का गुस्सा साफ तौर पर नजर आया।तीन तलाक पीड़िता और आला हजरत वेलफेयर सोसाइटी की अध्यक्ष निदा खान के नेतृत्व में यह प्रदर्शन आयोजित किया गया। बड़ी संख्या में महिलाएं पार्क में एकत्रित हुईं। हाथों में तख्तियां और बैनर लेकर महिलाओं ने नारेबाजी करते हुए अपने आक्रोश को खुलकर व्यक्त किया। महिलाओं का हक छीना नहीं जाएगा और विपक्ष जवाब दो जैसे नारे पूरे इलाके में गूंजते रहे। प्रदर्शन के दौरान महिलाओं ने समाजवादी पार्टी, तृणमूल कांग्रेस और कांग्रेस के पुतले फूंके। इस दौरान माहौल काफी गर्म रहा। महिलाओं का आरोप था कि विपक्षी दलों ने महिला आरक्षण बिल को गिराकर खासकर मुस्लिम महिलाओं के अधिकारों को कुचलने का काम किया है। उन्होंने कहा कि यह बिल महिलाओं को राजनीतिक हिस्सेदारी देने का बड़ा माध्यम बन सकता था। निदा खान ने कहा कि महिला आरक्षण बिल देश की आधी आबादी को सशक्त बनाने की दिशा में ऐतिहासिक कदम था, लेकिन विपक्षी दलों ने इसे रोककर यह साबित कर दिया कि वे महिलाओं के हितों के खिलाफ हैं। उन्होंने कहा कि मुस्लिम महिलाओं को बराबरी का अधिकार दिलाने के लिए यह लड़ाई जारी रहेगी और वे पीछे नहीं हटेंगी। निदा खान ने साफ तौर पर कहा कि इस मुद्दे पर वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ खड़ी हैं। उन्होंने केंद्र सरकार के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए सरकार लगातार काम कर रही है। इस दौरान कई अन्य महिलाओं ने भी सरकार के समर्थन में अपनी बात रखी।

बरेली में हुए इस प्रदर्शन ने साफ संकेत दे दिए हैं कि महिला आरक्षण के मुद्दे पर सियासत और तेज हो सकती है। आने वाले दिनों में इस मुद्दे को लेकर और प्रदर्शन होने की संभावना जताई जा रही है। स्थानीय स्तर पर यह विरोध अब बड़े राजनीतिक विमर्श का हिस्सा बनता नजर आ रहा है।

संपादक की कलम से

सियासत, समाज और भविष्य: क्या हम सही दिशा में बढ़ रहे हैं?

ददेश की राजनीति इन दिनों कई बड़े मुद्दों के इर्द-गिर्द घूम रही है—जाति जनगणना की मांग, चुनावी पारदर्शिता पर सवाल और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बढ़ती अस्थिरता। एक तरफ जहां राहुल गांधी जैसे नेता सामाजिक न्याय और जातिगत गणना की वकालत कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर ममता बनर्जी जैसी मुख्यमंत्रियों द्वारा चुनावी प्रक्रिया पर सवाल उठाना लोकतंत्र की सेहत के लिए चिंता का विषय है।लोकतंत्र की असली ताकत उसकी पारदर्शिता और निष्पक्षता में होती है। यदि मतदाता सूची, मतदान प्रक्रिया या चुनावी वादों पर बार-बार सवाल उठते हैं, तो यह केवल राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप नहीं रह जाता, बल्कि जनता के भरोसे को कमजोर करता है। चुनाव केवल सत्ता परिवर्तन का माध्यम नहीं, बल्कि जनता की आवाज का सबसे सशक्त प्रतीक है—और इस प्रतीक पर किसी भी तरह का संदेह खतरनाक संकेत है।साथ ही, वैश्विक स्तर पर भी हालात चिंताजनक हैं। अमेरिका और ईरान के बीच असफल वार्ता यह दर्शाती है कि दुनिया अब भी संघर्ष और अविश्वास के दौर से गुजर रही है। ऐसे समय में भारत जैसे देश की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो जाती है, जहां संतुलन, संवाद और कूटनीति के जरिए शांति का रास्ता दिखाया जा सकता है।अंततः सवाल यही है कि क्या हम राजनीति को केवल सत्ता का खेल बनने देंगे या इसे समाज सुधार और राष्ट्र निर्माण का माध्यम बनाएंगे? जरूरत इस बात की है कि सभी दल अपने-अपने हितों से ऊपर उठकर देश के दीर्घकालिक हितों पर ध्यान दें। क्योंकि मजबूत लोकतंत्र वही होता है, जहां बहस हो, मतभेद हों—लेकिन राष्ट्रहित सर्वोपरि हो।इसके साथ ही नागरिकों की जागरूकता और सक्रिय भागीदारी भी उतनी ही जरूरी है। जब तक जनता सवाल नहीं पूछेगी और जवाबदेही तय नहीं करेगी, तब तक लोकतंत्र मजबूत नहीं हो सकता। मीडिया और संस्थाओं की निष्पक्षता भी इस प्रक्रिया में अहम भूमिका निभाती है।

PM मोदी- महिला आरक्षण के रास्ते में आने वाली हर रुकावट को दूर करेंगे

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि परिसीमन को लेकर कांग्रेस ने झूठ फैलाया। परिसीमन होता तो सभी राज्यों की सीटें एक अनुपात में बढ़तीं। वहीं, समाजवादी पार्टी महिला आरक्षण विरोधी पार्टी है। सपा ने राममनोहर लोहिया को भुला दिया है। सपा ने लोहिया के सपनों को अपने पैरों तले रौंद दिया। साथ ही, कांग्रेस एंटी-रिफॉर्म पार्टी है। कांग्रेस निगेटिव पॉलिटिक्स करती है।

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

महिला आरक्षण के मुद्दे पर प्रधानमंत्री Narendra Modi ने आज (शनिवार को) देश को संबोधित किया, जिसमें उन्होंने इस अहम मुद्दे पर अपना पक्ष रखा। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन में महिला सशक्तिकरण, उनकी सियासत में भागीदारी और विपक्ष के महिला आरक्षण बिल के समर्थन ना करने का जिक्र किया। साथ ही, पीएम मोदी ने कहा कि सही वक्त का इंतजार कीजिए, आधी आबादी को उनका हक दिलाने का संकल्प जरूर पूरा होगा। जानें प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन में क्या-क्या कहा।प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, 'आज मैं अपनी बहनों और बेटियों से बात करने के लिए आया हूं। आज भारत का हर नागरिक देख रहा है कि कैसे भारत की नारी शक्ति की उड़ान को रोक दिया गया। उनके सपनों को बेरहमी से कुचल दिया गया। हमारे भरसक प्रयास के बावजूद हम सफल नहीं हो पाए। नारी शक्ति वंदन अधिनियम संसद में पास नहीं हो पाया। मैं इसके लिए सभी माताओं-बहनों से क्षमाप्रार्थी हूं।' PM मोदी ने कहा कि विपक्ष ने नारी हित का प्रस्ताव गिरा दिया। विपक्ष ने महिलाओं के सपनों को कुचल दिया। मैं देश की महिलाओं से माफी मांगता हूं। नारी सबकुछ भूल जाती हैं लेकिन अपना अपमान नहीं भूलती है। विपक्ष को मैं कहना चाहता हूं कि 21वीं सदी की नारी हर घटना पर नजर रख रही है और सच्चाई भी भली-भांति जान रही है। PM मोदी ने आगे कहा, 'हमारे लिए देशहित सर्वोपरि है। लेकिन जब कुछ लोगों के लिए दलहित सब कुछ हो जाता है, दलहित देशहित से बड़ा हो जाता है तो नारी शक्ति को, देशहित को, इसका खामियाजा उठाना पड़ता है। इस बार भी यही हुआ है। कांग्रेस, डीएमके, टीएमसी और समाजवादी पार्टी जैसे दलों की स्वार्थी राजनीति का नुकसान देश की नारी शक्ति को उठाना पड़ा है।' प्रधानमंत्री मोदी बोले कि इस बिल से उत्तर, दक्षिण, पूर्व और पश्चिम सभी राज्यों को शक्ति मिलती। कांग्रेस, सपा और टीएमसी को सजा जरूर मिलेगी। उन्होंने महिला आरक्षण बिल को समर्थन नहीं देकर पाप किया है। ये देश की नारी शक्ति के अपराधी हैं। महिला आरक्षण समय की मांग है। हमारे ईमानदार प्रयास की विपक्ष ने भ्रूण हत्या कर दी। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि कांग्रेस, डीएमके, टीएमसी और सपा जैसी परिवारवादी पार्टियां खुशी से तालियां बजा रही थीं। महिलाओं से उनके अधिकार छीनकर ये लोग मेजें थपथपा रहे थे। उन्होंने जो किया, वो केवल टेबल पर थाप नहीं थी, वो नारी के स्वाभिमान पर, उसके आत्मसम्मान पर चोट थी। पीएम मोदी बोले, 'नारी सब भूल जाती है, लेकिन अपना अपमान कभी नहीं भूलती। इसलिए संसद में कांग्रेस और उसके सहयोगियों के व्यवहार की कसक हर नारी के मन में हमेशा रहेगी। संसद में नारीशक्ति वंदन संशोधन का जिन भी दलों ने विरोध किया है, वे लोग नारी शक्ति को For Granted ले रहे हैं।'

डेरेक ओ'ब्रायन ने मुख्य निर्वाचन अधिकारी को पत्र लिखा, गंभीर आरोप लगाए

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

तृणमूल कांग्रेस नेता डेरेक ओ'ब्रायन ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के बीच के मुख्य निर्वाचन अधिकारी को पत्र लिखा है. इस पत्र में उन्होंने केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल पर गंभीर आरोप लगाए हैं. उन्होंने लिखा कि चुनाव आयोग द्वारा जारी 'फोर्स डिप्लॉयमेंट इन इलेक्शंस मैनुअल, 2023", जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 और भारतीय न्याय संहिता, 2023 का उल्लंघन किया गया है. पत्र में लिखा गया है कि फेसबुक पर प्रसारित एक वीडियो के आधार पर यह शिकायत की गई है. इस वीडियो में कुछ नागरिक यह दावा करते हुए दिखाई दे रहे हैं कि सीआरपीएफ के जवान कथित तौर पर भाजपा उम्मीदवारों के साथ घूम रहे थे, भाजपा के पर्चे बांट रहे थे और मतदाताओं को भाजपा के पक्ष में वोट देने के लिए प्रेरित कर रहे थे.पत्र में कहा गया है कि यह व्यवहार कथित तौर पर आपराधिक धमकी और चुनावी प्रक्रिया में अनुचित प्रभाव (धारा 174) के तहत अपराध है. इसमें यह भी आरोप लगाया गया है कि इस तरह की गतिविधियां मतदाताओं में डर का माहौल पैदा करती हैं और स्वतंत्र मतदान के अधिकार को प्रभावित करती हैं. टीएमसी ने यह भी कहा है कि सीआरपीएफ जैसे केंद्रीय बलों का चुनाव ड्यूटी के दौरान निष्पक्ष रहना अनिवार्य है और इस तरह का व्यवहार चुनाव आयोग के दिशानिर्देशों का उल्लंघन है.पत्र में जनप्रतिनिधित्व अधिनियम की धारा 123 और 129 का हवाला देते हुए कहा गया है कि किसी भी पुलिस बल के सदस्य को मतदाताओं को प्रभावित करने या किसी भी पार्टी के पक्ष में वोट डालने के लिए प्रेरित करने की अनुमति नहीं है. टीएमसी ने मुख्य निर्वाचन अधिकारी से मांग की है कि संबंधित सीआरपीएफ कर्मियों को कारण बताओ नोटिस जारी किया जाए. उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज करने के निर्देश दिए जाएं. सभी केंद्रीय बलों को पश्चिम बंगाल में निष्पक्षता और चुनाव आयोग के नियमों का सख्ती से पालन करने के निर्देश दिए जाएं

आसनसोल में सीएम योगी का TMC पर हमला

भाजपा सरकार आते ही खत्म होगा गुंडाराज

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

सीएम योगी ने गुरुवार को पश्चिम बंगाल के आसनसोल में कहा- टीएमसी के गुंडे क्या कह रहे हैं, डरिए मत। कोई माफिया क्या कहता है, भयभीत मत होइए। कोई मौलाना क्या बक रहा है, चिंता करने की जरूरत नहीं है। आने दीजिए भाजपा की सरकार, सभी आपकी चाटुकारिता करते दिखाई देंगे। बंगाल की सड़कों पर झाड़ू लगाते दिखाई देंगे। उन्होंने कहा- यूपी में सड़क पर कोई नमाज नहीं पढ़ सकता। पर्व-त्योहार शांति से मनाए जाते हैं। गुंडागर्दी नहीं है, बहन-बेटियां सुरक्षित हैं। इसकी गारंटी भाजपा और डबल इंजन की सरकार ही दे सकती है। दरअसल, योगी ने गुरुवार को बंगाल में तीन जनसभाएं कीं। विधानसभा चुनाव के प्रचार के लिए सबसे पहले आसनसोल पहुंचे, रैली को संबोधित किया। फिर बीरभूम और बोलपुर में भी चुनावी सभाएं कीं। भाजपा और एनडीए के उम्मीदवारों के लिए जनता का समर्थन मांगा। योगी ने कहा- दिल्ली से पीएम मोदी जो पैसा जनता के लिए भेजते हैं, वो पैसा टीएमसी के गुंडे हजम कर जाते हैं। मैं कहने आया हूं अराजकता, डर का माहौल, दंगे, माफियाराज जैसी स्थिति आज से 9 साल पहले यूपी में भी थी। हर दूसरे-तीसरे दिन दंगा होता था। कोई पर्व या त्योहार शांति से नहीं हो सकता था। बहन-बेटियां असुरक्षित थीं। गुंडागर्दी चरम पर थी। अपराध हावी थी। माफिया हावी थे। जनता की सुविधा के लिए आने वाले पैसे में डकैती पड़ती थी। इसका उपचार एक है- भाजपा की डबल इंजन सरकार। योगी ने कहा- आज जब उत्तर प्रदेश के अंदर माफिया की हड्डी और पसली को बुलडोजर ठीक करता है, उसकी संपतति को अपने कब्जे में कर सरकार गरीबों के लिए घर बनाती है तो माफियाराज खत्म हो जाता है। आज यूपी में न कर्फ्यू है, न दंगा है, सब चंगा है। पहले राम जन्मभूमि के लिए आंदोलन करना पड़ता था, रामभक्तों पर गोलियां चलती थीं, मुझे अभी एक कारसेवक मिला है, वो कहा रहा है कि मुझ पर 1990 में TMC की सहयोगी पार्टी सपा ने गोलियां चलवाई थीं। योगी ने कहा- बंगाल कभी देश की सांस्कृतिक राजधानी हुआ करती थी। पहले कांग्रेस, फिर वामपंथियों ने और फिर 15 साल से टीएमसी ने पहचान का संकट खड़ा किया। क्राइम कैपिटल बना दिया। याद करिए बंगाल आजादी के बाद विकास के पथ पर आगे चल रहा था। किसान खुश था। नौजवानों के लिए रोजगार था। फिर कांग्रेस, कम्युनिस्ट और टीएमसी ने इसे

अराजकता, भ्रष्टाचार, भय का केंद्र बना दिया। संसाधन पर माफिया हावी हैं। नौकरी गायब है। यूपी में आलू 15-16 रुपए किलो है, बंगाल में एक से डेढ़ रुपए में ही बिक रहा है।

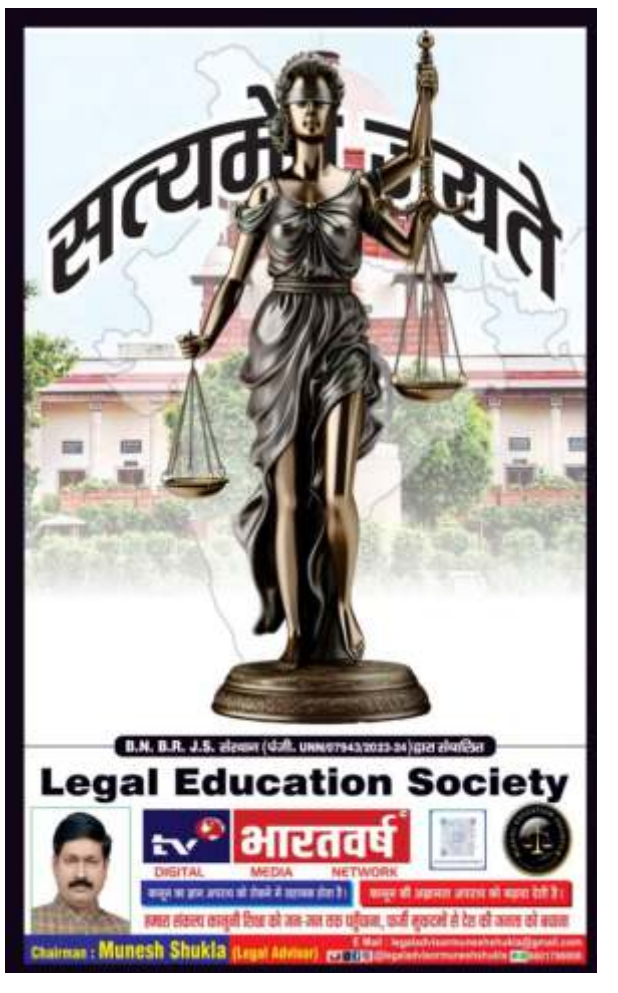

डिजिटल शिक्षा की लहर:

गांव से शहर तक बदलती पढ़ाई की दिशा

भारत में शिक्षा का स्वरूप तेजी से बदल रहा है और इस परिवर्तन के पीछे सबसे बड़ा कारण डिजिटल तकनीक का तेजी से विस्तार है। पिछले कुछ वर्षों में ऑनलाइन शिक्षा प्लेटफॉर्म, स्मार्ट क्लासरूम, वर्चुअल लर्निंग और मोबाइल ऐप्स के माध्यम से पढ़ाई करना न केवल आसान हुआ है, बल्कि पहले की तुलना में अधिक सुलभ और लचीला भी बन गया है। खासतौर पर कोरोना महामारी के दौरान जब स्कूल और कॉलेज लंबे समय तक बंद रहे, तब डिजिटल लर्निंग ने शिक्षा व्यवस्था को संभालने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस दौर ने यह साबित कर दिया कि तकनीक के माध्यम से शिक्षा को किसी भी परिस्थिति में जारी रखा जा सकता है।आज देश के शहरी ही नहीं, बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में भी शिक्षा के क्षेत्र में डिजिटल माध्यमों का प्रभाव स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है। छात्र अब मोबाइल फोन, टैबलेट और लैपटॉप के जरिए घर बैठे ही पढ़ाई कर रहे हैं। ऑनलाइन क्लासेस, रिकॉर्डेड वीडियो लेक्चर, ई-बुक्स और डिजिटल नोट्स ने सीखने के तरीकों को पूरी तरह बदल दिया है। पहले जहां छात्रों को अच्छी शिक्षा के लिए बड़े शहरों का रुख करना पड़ता था, वहीं अब इंटरनेट के माध्यम से उन्हें वही सुविधाएं अपने गांव या छोटे शहर में ही उपलब्ध हो रही हैं। यह बदलाव विशेष रूप से उन छात्रों के लिए लाभकारी साबित हुआ है, जो आर्थिक या भौगोलिक कारणों से बेहतर शिक्षण संस्थानों तक नहीं पहुंच पाते थे।सरकारी और निजी दोनों क्षेत्रों में डिजिटल शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए कई पहल की गई हैं। विभिन्न ऑनलाइन प्लेटफॉर्म छात्रों को मुफ्त या सस्ती दरों पर गुणवत्तापूर्ण कंटेंट उपलब्ध करा रहे हैं। स्कूलों में स्मार्ट बोर्ड, प्रोजेक्टर और डिजिटल कंटेंट का उपयोग बढ़ रहा है। इसके साथ ही शिक्षकों को भी डिजिटल माध्यम से पढ़ाने के लिए प्रशिक्षण दिया जा रहा है, जिससे वे तकनीक का बेहतर उपयोग कर सकें। इससे शिक्षण प्रक्रिया अधिक इंटरैक्टिव और प्रभावी बन रही है।हालांकि, इस तेजी से हो रहे बदलाव के साथ कई चुनौतियां भी सामने आई हैं। सबसे बड़ी समस्या डिजिटल डिवाइड यानी तकनीकी संसाधनों की असमान उपलब्धता है। देश के कई हिस्सों में आज भी ऐसे छात्र हैं, जिनके पास स्मार्टफोन, कंप्यूटर या स्थिर इंटरनेट कनेक्शन नहीं है। इससे वे डिजिटल शिक्षा का पूरा लाभ नहीं उठा पाते। इसके अलावा, बिजली की अनियमित आपूर्ति और नेटवर्क की समस्या भी कई क्षेत्रों में बाधा बनती है।एक अन्य महत्वपूर्ण चुनौती स्वास्थ्य से जुड़ी है। लंबे समय तक स्क्रीन के सामने बैठकर पढ़ाई करने से छात्रों में आंखों की कमजोरी, सिरदर्द, नींद की समस्या और मानसिक तनाव जैसी दिक्कतें बढ़ रही हैं। साथ ही, ऑनलाइन शिक्षा में अनुशासन बनाए रखना भी एक चुनौती है, क्योंकि घर का माहौल हमेशा पढ़ाई के अनुकूल नहीं होता।इन चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए सरकार लगातार सुधार के प्रयास कर रही है। विभिन्न योजनाओं के तहत स्कूलों को डिजिटल रूप से सशक्त बनाया जा रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों में इंटरनेट कनेक्टिविटी बढ़ाने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। शिक्षकों को डिजिटल ट्रेनिंग देकर उन्हें नई तकनीकों से परिचित कराया जा रहा है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में भी तकनीक आधारित शिक्षा को महत्वपूर्ण स्थान दिया गया है, जिससे शिक्षा को अधिक समावेशी, लचीला और प्रभावी बनाया जा सके।विशेषज्ञों का मानना है कि केवल डिजिटल या केवल पारंपरिक शिक्षा पर निर्भर रहना पर्याप्त नहीं होगा। दोनों का संतुलित मिश्रण ही सबसे बेहतर परिणाम दे सकता है। जहां डिजिटल शिक्षा ज्ञान को व्यापक और सुलभ बनाती है, वहीं पारंपरिक कक्षा शिक्षण छात्रों के सामाजिक और भावनात्मक विकास में मदद करता है।यदि तकनीक का सही और संतुलित उपयोग किया जाए, तो यह न केवल शिक्षा की गुणवत्ता को सुधार सकता है, बल्कि देश के हर कोने तक ज्ञान पहुंचाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। आने वाले समय में डिजिटल शिक्षा भारत की शिक्षा प्रणाली का एक अभिन्न हिस्सा बनने जा रही है, जो भविष्य की पीढ़ियों को अधिक सक्षम और आत्मनिर्भर बनाएगी।

स्किल एजुकेशन का बढ़ता महत्व: नई पहल से रोजगार के खुलते रास्ते

Skill India

देश में शिक्षा का स्वरूप अब तेजी से बदल रहा है और इसे केवल डिग्री तक सीमित न रखकर कौशल विकास पर भी विशेष जोर दिया जा रहा है। बदलते समय और रोजगार की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए यह महसूस किया गया है कि केवल सैद्धांतिक ज्ञान पर्याप्त नहीं है, बल्कि छात्रों के पास व्यावहारिक और तकनीकी कौशल होना भी बेहद जरूरी है। इसी दिशा में नई शिक्षा नीति के तहत कई महत्वपूर्ण बदलाव किए गए हैं, जिनका उद्देश्य छात्रों को अधिक सक्षम और रोजगार के लिए तैयार बनाना है।नई शिक्षा व्यवस्था में इस बात पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है कि छात्र पढ़ाई के साथ-साथ ऐसे कौशल भी सीखें, जो उन्हें भविष्य में करियर बनाने में मदद करें। स्कूल और कॉलेज स्तर पर अब ऐसे कोर्स शुरू किए जा रहे हैं, जिनमें छात्रों को आईटी, डिजिटल मार्केटिंग, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डाटा एनालिसिस और अन्य व्यावसायिक कौशल सिखाए जाते हैं। इससे छात्रों को न केवल नई तकनीकों की जानकारी मिलती है, बल्कि वे इनका उपयोग भी सीखते हैं।इस बदलाव का सबसे बड़ा फायदा यह है कि छात्र अपनी पढ़ाई पूरी करने के बाद सीधे रोजगार के लिए तैयार हो सकते हैं। पहले जहां डिग्री हासिल करने के बाद भी छात्रों को नौकरी के लिए अलग से प्रशिक्षण लेना पड़ता था, वहीं अब शिक्षा के दौरान ही उन्हें आवश्यक स्किल्स सिखाए जा रहे हैं। इससे समय की बचत होती है और रोजगार के अवसर भी बढ़ते हैं।सरकार भी इस दिशा में लगातार प्रयास कर रही है। विभिन्न योजनाओं और कार्यक्रमों के तहत युवाओं को ट्रेनिंग और इंटर्नशिप के अवसर दिए जा रहे हैं। इन कार्यक्रमों के माध्यम से छात्रों को उद्योगों के साथ जोड़ने की कोशिश की जा रही है, ताकि वे वास्तविक कार्यस्थल का अनुभव प्राप्त कर सकें।

राजस्थान को हराकर केकेआर ने चखा जीत का स्वाद

दिलप्रीत सिंह बाजवा पर गैंगस्टर लॉरेंस से जुड़े होने के गंभीर आरोप

कनाडा क्रिकेट टीम के कप्तान दिलप्रीत सिंह बाजवा पर गैंगस्टर लॉरेंस से जुड़े होने के गंभीर आरोप लगे हैं. आरोप हैं कि गिरोह की मदद से मैनेजमेंट पर बाजवा को नेशनल टीम का कप्तान बनाने का दबाव बनाया गया, जिन खिलाड़ियों ने विरोध किया तो उन्हें भी धमकी दी गई. I C C की भ्रष्टाचार निरोधक इकाई भी दिलप्रीत के खिलाफ जांच कर रही है, उन पर मैच फिक्सिंग के भी आरोप है. ये टी20 वर्ल्ड कप 2026 से जुड़ा हुआ है, जिसकी मेजबानी भारत और श्रीलंका ने की थी. भारतीय मूल के दिलप्रीत सिंह बाजवा को टी20 वर्ल्ड कप 2026 से 3 हफ्ते पहले ही कप्तान बनाया गया था. 17 अप्रैल को जारी जारी रिपोर्ट में कैनेडियन ब्रॉडकास्टिंग कॉरपोरेशन ने दावा किया कि बाजवा को कप्तान बनाने के लिए संगठित गिरोह दबाव बना रहा था. इसमें ये भी कहा गया है कि कुछ खिलाड़ियों को भी धमकी दी गई, जिससे टीम मैनेजमेंट पर दबाव बना और बाजवा को कप्तानी दी गई.

रिपोर्ट में दावा किया गया है कि कनाडा क्रिकेट टीम में भ्रष्टाचार और अवैध गतिविधियां बढ़ती जा रही है. 2025 में एक टूर्नामेंट जीतने के बाद कुछ प्लेयर्स ने टीम के प्रमुख खिलाड़ियों को बाजवा को कप्तान बनाने के लिए धमकी दी. इसके बाद उस खिलाड़ी ने स्वयं को टूर्नामेंट से हटा लिया और इसके पीछे का कारण अपनी सुरक्षा को खतरा बताया. इस रिपोर्ट में कहा गया है कि जब दिलप्रीत सिंह बाजवा को कप्तान बनाए जाने का कुछ प्लेयर्स ने विरोध किया तो उन्हें भी गैंगस्टर के नाम से धमकी मिली.

वरुण तेजी से 200 टी20 विकेट लेने वाले भारतीय स्पिनर बन गए

कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के स्टार स्पिनर वरुण चक्रवर्ती मौजूदा सीजन में खराब फॉर्म से जूझ रहे थे। लेकिन राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ उन्होंने दमदार प्रदर्शन किया। इसके साथ ही वरुण ने टी20 प्रारूप में विकेटों का दोहरा शतक भी पूरा कर लिया है। वरुण तेजी से 200 टी20 विकेट लेने वाले भारतीय स्पिनर बन गए हैं। आईपीएल 2026 के 28वें मुकाबले में वरुण ने अपने पहले ही ओवर में विकेट निकाला। उन्होंने युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को रमनदीप सिंह के हाथों कैच आउट कराया। इस विकेट के साथ वरुण टी20 क्रिकेट में 200 टी20 विकेट लेने वाले सबसे तेज भारतीय स्पिनर बन गए।वरुण ने सिर्फ 155 पारियों में यह उपलब्धि हासिल की, जो भारतीय क्रिकेट के कई बड़े नामों से भी आगे है। उनके सबसे करीबी प्रतिद्वंद्वियों में कुलदीप यादव शामिल हैं, जिन्होंने 160 पारियों में यह आंकड़ा छुआ। उनके बाद जयदेव उनादकट (162 पारियां) और मोहम्मद शमी (165 पारियां) इस मुकाम तक पहुंचे। अर्शदीप सिंह एकमात्र ऐसे भारतीय गेंदबाज हैं, जिन्होंने कुल मिलाकर सबसे तेजी से (151 पारियां) यह उपलब्धि हासिल की, लेकिन स्पिनर्स की श्रेणी में वरुण सबसे ऊपर अपने आईपीएल करियर में वरुण ने 89 मुकाबलों में 24.17 की औसत और 7.65 की इकॉनोमी रेट से कुल 105 विकेट लिए हैं।

ध्रुव जुरेल की शानदार स्टंपिंग ने दिलाई धोनी की याद

केकेआर ने रोमांचक मुकाबले में दर्ज की पहली जीत

इंडियन प्रीमियर लीग के 19वें सीजन का 28वां लीग मुकाबला कोलकाता के ईडन गार्डन्स स्टेडियम में कोलकाता नाइट राइडर्स और राजस्थान रॉयल्स की टीम के बीच में खेला गया। इस मैच में केकेआर की टीम को इस मैच में 156 रनों का टारगेट मिला था, जिसका पीछा उन्होंने 19.4 ओवर्स में छह विकेट के नुकसान पर करते हुए इस सीजन अपनी पहली जीत हासिल की। इस मैच में राजस्थान रॉयल्स टीम के विकेटकीपर ध्रुव जुरेल ने कैमरून ग्रीन को पवेलियन भेजने के लिए जिस तरह से स्टंपिंग की उसकी चर्चा हर तरफ देखने को मिल रही है, जिसमें सभी को एमएस धोनी की याद भी आ गई। केकेआर की टीम जब इस मैच में टारगेट का पीछा करने उतरी तो उनकी शुरुआत अच्छी नहीं रही थी, जिसमें उन्होंने 5 के स्कोर तक अपने शुरुआती विकेट गंवा दिए थे। इसके बाद कैमरून ग्रीन ने पारी को संभालने का प्रयास किया जिसमें वह आक्रामक बल्लेबाजी कर रहे थे। इसी दौरान पारी के पांचवें ओवर की तीसरी गेंद जो राजस्थान रॉयल्स के रवि बिश्नोई ने फेंकी थी उसपर कैमरून ग्रीन ने आगे निकलकर एक बड़ा शॉट लगाने का प्रयास किया। इसी दौरान ग्रीन को आगे बढ़ते देख बिश्नोई ने गेंद की लाइन बदल दी और लेग साइड की लाइन पर डाली जो वाइड जाते हुए दिखी। इसी दौरान ग्रीन जो आगे बढ़ चुके थे गेंद उनसे दूर लेग साइड की तरफ वाइड की तरफ गई। ध्रुव जुरेल ने लेग साइड की तरफ डाइव लगाते हुए गेंद को पकड़ा लेकिन इस दौरान वह अपना संतुलन बरकरार नहीं रख सके। ऐसे में जुरेल ने वहीं से गेंद को स्टंप की तरफ फेंका जो सीधे जाकर लगी और कैमरून ग्रीन को क्रीज में वापस आने का मौका भी नहीं मिला। ग्रीन इस मैच में 13 गेंदों में 27 रन बनाकर पवेलियन लौट गए थे। राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ मैच में केकेआर की टीम ने एक समय 85 के स्कोर तक अपने 6 विकेट 14वें ओवर तक गंवा दिए थे। यहां से रिंकू सिंह और अनुकूल रॉय ने ना सिर्फ केकेआर की पारी को संभाला बल्कि तेजी के साथ रन बनाए और टीम को जीत की तरफ लेकर जाने का काम किया।

शादी के दिन भी काम करता दिखा कर्मचारी

शादी में शिफ्ट की टेंशन

इस घटना ने एक बार फिर यह सवाल खड़ा कर दिया है कि क्या काम के प्रति समर्पण दिखाने के लिए निजी जीवन से समझौता करना सही है? या फिर लोगों को अपने खास पलों में काम से पूरी तरह दूरी बनानी चाहिए?

सोशल मीडिया पर इन दिनों एक ऐसा मामला चर्चा में है, जिसने वर्क-लाइफ बैलेंस को लेकर फिर से बहस छेड़ दी है. यह मामला एक कंपनी के कर्मचारी से जुड़ा है, जो अपनी शादी के दिन भी काम से जुड़ा रहा.

इस बात को कंपनी के सीईओ ने गर्व के साथ शेयर किया, लेकिन इंटरनेट पर लोगों ने इसे गलत बताया और जमकर आलोचना की. यह पूरा मामला अमेरिकी कंपनी ट्रिपल व्हेल से जुड़ा है. कंपनी के सह-संस्थापक एजे ओरबाक ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर एक पोस्ट शेयर की. उन्होंने बताया कि उनकी टीम का एक कर्मचारी, डायलन गिफोर्ड, अपनी शादी के दिन भी कुछ समय के लिए ऑनलाइन आया और काम से जुड़े मैसेज का जवाब दिया. ओरबाक ने अपने पोस्ट में इसे एक सकारात्मक बात के रूप में पेश किया. उन्होंने लिखा कि कर्मचारी को पूरी तरह से छुट्टी दी गई थी और किसी ने उसे काम करने के लिए मजबूर नहीं किया था.

इसके बावजूद वह खुद ही ऑनलाइन आया, क्योंकि वह अपने प्रोजेक्ट को लेकर बहुत उत्साहित था. उन्होंने इसे खास जिम्मेदारी और काम के प्रति समर्पण का उदाहरण बताया. हालांकि, जैसे ही यह पोस्ट वायरल हुई, लोगों की प्रतिक्रियाएं बिल्कुल अलग थीं.

कई यूजर्स ने इसे गलत बताया और कहा कि यह वर्क-लाइफ बैलेंस के खिलाफ है. लोगों का कहना था कि शादी जैसे खास मौके पर काम से पूरी तरह दूर रहना चाहिए, न कि ऑनलाइन आकर मैसेज का जवाब देना चाहिए. कुछ यूजर्स ने यह भी सवाल उठाया कि अगर कर्मचारी छुट्टी पर था, तो फिर उसे मैसेज क्यों किया गया. उनका मानना था कि शायद कर्मचारी पर जवाब देने का दबाव रहा होगा, इसलिए वह ऑनलाइन आया. एक यूजर ने लिखा कि अगर बॉस ने मैसेज ही नहीं किया होता, तो कर्मचारी अपनी शादी के दिन काम से दूर रहता. ⊙

वर्क फ्रॉम होम मांगते ही नौकरी खत्म!

गुरुग्राम की एक स्टार्टअप कंपनी से जुड़ा एक मामला इन दिनों सोशल मीडिया पर तेजी से चर्चा में है. यहां एक फाउंडर ने अपने ही कर्मचारी को सिर्फ इसलिए नौकरी से निकाल दिया, क्योंकि उसने वर्क फ्रॉम होम करने की परमिशन मांगी थी. हैरानी की बात यह है कि यह फैसला महज दो मिनट के भीतर ले लिया गया. इस घटना ने वर्क प्लेस के माहौल, कर्मचारियों के अधिकार और स्टार्टअप कल्चर को लेकर एक बड़ी बहस छेड़ दी है. ⊙

मसूड़ों का संक्रमण बना काल

दांत दिखवाने गया शख्स, काटने पड़ गए हाथ-पैर

डेवन वैंटरपूल नाम का एक शख्स अपने दांतों के दर्द और सूजन के नियमित चेकअप के लिए डेंटिस्ट के पास गया था. वहां जांच में पता चला कि उसके मसूड़े गंभीर रूप से सूजे हुए थे और उनसे खून बह रहा था. डेंटिस्ट के पास से आने के कुछ ही घंटों के बाद डेवन की हालत बिगड़ने लगी. उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया. कुछ ही हफ्तों बाद, उनकी स्वास्थ्य समस्याएं बेकाबू हो गईं और उनके शरीर के चार अंग काटने पड़े. डेली स्टार की रिपोर्ट के मुताबिक, डेवन की पार्टनर एलिसिया वाइल्डर का कहना है कि उन्हें उसी रात बाद में पता चल गया था कि डेवन के साथ कुछ बहुत गलत हो रहा है. शुरू में उनमें फ्लू जैसे लक्षण दिखाई दिए और जब उनकी हालत में सुधार नहीं हुआ तो उन्हें दो दिन बाद इमरजेंसी वार्ड में भर्ती करना पड़ा. एलिसिया का कहना है कि तब पता चला कि डेवन सेप्टिक शॉक में चला गया है और उसके महत्वपूर्ण अंग काम करना बंद करने लगे हैं. ⊙

पहले जॉब से निकाला फिर WFH देकर काम का बोझ डाला

छंठनी के बीच टेक सेक्टर का 'जुगाड़'

इस समय टेक सेक्टर में हालात काफी मुश्किल हैं. (Photo: Pexels)

टेक सेक्टर में चल रही छंटनी के बीच एक चौंकाने वाली कहानी सामने आई है. मोहाली के एक युवा टेक्नीशियन को अचानक नौकरी से निकाल दिया गया, लेकिन इसके बाद उसी कंपनी ने उसे एक अजीब सा ऑफर दे दिया. रेडिट पर शेयर की गई इस पोस्ट में टेक्नीशियन ने बताया कि 31 मार्च को कंपनी ने पूरी टीम की मीटिंग बुलाई. इस मीटिंग में बताया गया कि कंपनी के पास इस समय कोई खास प्रोजेक्ट नहीं है और पैसों की कमी के कारण वह कर्मचारियों को सैलरी नहीं दे पा रही है. इसके बाद करीब 20 लोगों की टीम से कहा गया कि वे उसी दिन को अपना लास्ट वर्किंग-डे मान लें. यह खबर सुनकर सभी कर्मचारी हैरान रह गए, क्योंकि उन्हें पहले से कोई जानकारी नहीं दी गई थी. अचानक नौकरी जाने से सभी लोग परेशान हो गए. लेकिन इसके बाद कंपनी ने उस टेक्नीशियन को अलग से बुलाकर एक नया ऑफर दिया. कंपनी ने कहा कि वह घर से काम (वर्क फ्रॉम होम) जारी रख सकता है और उसे हर महीने 25,000 रुपये दिए जाएंगे. यह उसकी पिछली सैलरी 23,000 रुपये से थोड़ी ज्यादा थी. हालांकि, इस ऑफर के साथ जिम्मेदारियां काफी बढ़ा दी गईं. टेक्नीशियन को कहा गया कि अगर कोई नया प्रोजेक्ट आता है, तो उसे अकेले ही पूरा काम संभालना होगा. इसमें फुल-स्टैक डेवलपमेंट और मोबाइल डेवलपमेंट दोनों शामिल होंगे. ⊙

एक्ट्रेस और सांसद बोलीं, आदित्य धर की फिल्म ने साउथ की फिल्मों को दी टक्कर

'धुरंधर' ने इंडस्ट्री में फूंकी जानः कंगना

कंगना रनौत ने फिल्म 'धुरंधर' के साथ-साथ एक्टर आर माधवन की भी खूब प्रशंसा की. माधवन ने 'धुरंधर' फ्रेंचाइजी में इंटेलिजेंस ब्यूरो (IB) के डायरेक्टर अजय सान्याल का रोल निभाया है. अपने काम के लिए उन्हें काफी सराहना मिल रही है.

आदित्य धर की फिल्म 'धुरंधर: द रिवेंज' बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त कमाई कर रही है. ये 19 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी और अभी तक चल रही है. इससे पहले दिसंबर 2025 में फिल्म 'धुरंधर' आई थी, जिसने बॉक्स ऑफिस पर आग लगा दी.

दर्शकि आदित्य धर की निर्देशन और उनकी ग्रिपिंग कहानी के दीवाने हो गए. दोनों फिल्मों ने कई रिकॉर्ड तोड़े हैं और इतिहास रच दिया है. अब इस ब्लॉकबस्टर फिल्म की तारीफ कंगना रनौत ने की है. कंगना रनौत ने आर माधवन की भी खूब प्रशंसा की.

माधवन ने 'धुरंधर' फ्रेंचाइजी में इंटेलिजेंस ब्यूरो (IB) के डायरेक्टर अजय सान्याल का रोल निभाया है. अपने काम के लिए उन्हें काफी सराहना मिल रही है. उनका किरदार भारत के असल जिंदगी के नेशनल सिक्योरिटी एडवाइजर अजीत डोभाल से प्रेरित है. एक एजेंसी संग बात करते हुए कंगना रनौत ने कहा कि उन्होंने माधवन को फिल्म में 'बहुत शानदार' पाया. एक्ट्रेस ने कहा कि माधवन ने रोल को बखूबी निभाया हैं और उनका अभिनय असली अजीत डोभाल के काफी करीब था. कंगना ने कहा, 'माधवन फिल्म में बेहतरीन थे. मैं अजीत डोभाल जी से मिल चुकी हूं. उनका व्यक्तित्व बहुत विशाल है. मुझे लगता है कि अजीत डोभाल पर पूरी तरह से अलग फिल्म बननी चाहिए.

तभी कोई एक्टर उनके किरदार को न्याय दे पाएगा. लेकिन माधवन बहुत करीब थे. वे बहुत अच्छे एक्टर हैं.' आदित्य धर की फिल्म के बारे में और बात करते हुए कंगना ने कहा कि 'धुरंधर' ने पूरी इंडस्ट्री में नई जान फूंक दी है और नई उम्मीद जगाई है.

एक्ट्रेस ने आगे कहा, 'फिल्म इंडस्ट्री एक तरह से देश से कटती जा रही थी. दर्शकों की भागीदारी घट गई थी, स्टूडियोज खाली हो रहे थे और लोग इन फिल्मों को देखना नहीं चाहते थे. ⊙

रामायण के लिए चैलेंज बनी जापानी फिल्म

नमित मल्होत्रा की रामायण इंटरनेशनल लेवल पर धमाके की तगड़ी तैयारी कर रही है. दुनिया भर में टॉप सिनेमेटिक एक्सपीरियंस का पैमाना बन चुके IMAX फॉर्मेट में बनने वाली पहली भारतीय फिल्म रामायण है. ऑफिशियल टीजर लॉन्च से पहले रामायण की पहली झलक लॉस एंजेलिस में रिवील की गई. आजकल नमित मल्होत्रा और यश दुनिया के सबसे बड़े ग्लोबल फिल्म ट्रेड शो सिनेमाकॉन 2026 में जमकर फिल्म प्रमोट कर रहे हैं. ⊙

अंतरिक्ष से लौटे ग्रुप कैप्टन

शुभांशु शुक्ला ने बताए शरीर में बदलाव

इंडियन एयरफोर्स के एस्ट्रोनॉट शुभांशु शुक्ला ने अंतरिक्ष यात्रा के दौरान शरीर में हुए बदलावों का खुलासा किया, जिसमें लंबाई बढ़ना और सिर में सूजन शामिल है।उन्होंने बताया कि माइक्रोग्रेविटी के कारण शरीर पर कई प्रभाव पड़े, लेकिन पृथ्वी पर लौटने के बाद स्थिति सामान्य हो गई।लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने पृथ्वी की सुंदरता और उसकी दुर्लभता पर जोर देते हुए संरक्षण की अपील की।साथ ही उन्होंने कहा कि भारत स्पेस साइंस में तेजी से आगे बढ़ रहा है और 2035 तक अपना स्पेस स्टेशन स्थापित करने की दिशा में काम कर रहा है।

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

इंडियन एयरफोर्स के ग्रुप कैप्टन और एस्ट्रोनॉट शुभांशु शुक्ला ने अपनी अंतरिक्ष यात्रा का एक और राज खोला है। उन्होंने उस दौरान अपने शरीर में हुए बदलावों के बारे में बताया है। कहा कि वहां उनकी 5 सेमी बढ़ी थी और सिर में सूजन हो गई थी। उन्होंने गुरुवार को लखनऊ में एनबीआरआई में आयोजित ग्रीष्मकालीन पादप विज्ञान महोत्सव में यह बताया। शुभांशु ने कहा- अंतरिक्ष में गुरुत्वाकर्षण बल नहीं था। इस कारण हार्ट खून को ऊपर की तरफ पंप कर रहा था। इससे खून सिर की तरफ आकर एकत्र हो रहा था, जिससे सिर में सूजन बढ़ती जा रही थी।। हार्ट सिकुड़ रहा था, मसल्स मास कम हो रहा था। इतना ही नहीं, उनकी लंबाई भी 5 सेंटीमीटर तक बढ़ गई थी। धरती पर लौटने के 15 दिन बाद मेरा शरीर सामान्य हुआ। शुभांशु शुक्ला ने कहा कि पृथ्वी को अंतरिक्ष से देखने पर बेहद खूबसूरत लगती है। यहां जो कुछ भी है वह अनमोल ही नहीं बल्कि अत्यंत दुर्लभ है। इसीलिए पृथ्वी पूरे ब्रह्मांड में सबसे अनमोल है। यहां मिलने वाली लकड़ी पूरे अंतरिक्ष में कहीं और नहीं मिलेगी। वह यहीं मिलेगी यानी की लकड़ी भी दूसरे ग्रहों के लिए हीरे जितनी अनमोल है। पृथ्वी की सुंदरता और उस पर जीवन की बहुमूल्यता के लिए इसे संरक्षित करना बहुत जरूरी है, यहां बढ़ रहे प्रदूषण को रोकना जरूरी है। यह तभी संभव है जब इसके लिए वैश्विक दृष्टिकोण अपनाया जाए। साथ ही उन्होंने कहा कि पृथ्वी संरक्षण के लिए केवल नई तकनीक पर्याप्त नहीं है। इसके लिए अनुशासन और सख्त कानून भी जरूरी है। इस दौरान शुभांशु ने कहा कि स्पेस साइंस के क्षेत्र में भारत तेजी से नई ऊंचाइयों को छू रहा है और दुनिया की अपेक्षाओं से भी तेज गति से आगे बढ़ रहा है। जल्द ही देश का अपना स्पेस स्टेशन भी अंतरिक्ष में स्थापित होगा। उम्मीद है कि 2035 तक हम उस स्टेशन पर इंडिपेंडेंट तरीके से काम कर सकेंगे। शुभांशु ने बताया कि भारत का संविधान दुनिया का इकलौता ऐसा संविधान है जो अपने नागरिकों में वैज्ञानिक सोच विकसित करने को मौलिक कर्तव्य मानता है। अंतरिक्ष यात्रा के अनुभव साझा करते हुए उन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्पेस स्टेशन पर माइक्रोग्रेविटी में सायनोबैक्टीरिया और शैवाल पर किए गए प्रयोगों का जिक्र किया। कई रोचक घटनाएं भी सुनाईं। एस्ट्रोनॉट शुभांशु शुक्ला अंतरिक्ष यात्रा से लौटने के 41 दिन बाद लखनऊ पहुंचे। पत्नी कामना और 6 साल का बेटा किआंश भी साथ थे। एयरपोर्ट पर एस्ट्रोनॉट बनकर पहुंचे स्कूली बच्चों ने उनका वेलकम किया। उनका परिवार भी मौजूद रहा। डिप्टी CM ब्रजेश पाठक ने शुभांशु को एयरपोर्ट पर रिसीव किया। शुभांशु का स्वागत करने के लिए एयरपोर्ट पर हजारों लोग तिरंगा लेकर पहुंचे थे। पूरा एयरपोर्ट ढोल-नगाड़ों और भारत माता की जय के नारों से गूंजता रहा। एयरपोर्ट से शुभांशु थार जीप पर सवार हुए। 10 किमी चलने के बाद थार से उतरकर रथ में सवार हो गए। फिर रोड शो करते हुए अपने स्कूल पहुंचे। इस दौरान जगह-जगह उनका स्वागत हुआ।

अखिलेश यादव ने फतेहपुर के चाय विक्रेता को पीतल के बर्तन भेंट किए

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने फतेहपुर में जिस चाय वाले के यहां पर चाय पी थी। उस चाय वाले शेषमन यादव की दुकान पर खाद्य सुरक्षा विभाग के अधिकारियों ने छापेमारी कर दुकान बंद करने चेतावनी दी थी। अखिलेश ने रविवार को शेषमन और उनको चाय पिलाने वाले शेषमन के पुत्र आर्यन यादव को अपने कार्यालय बुलाया और उन्हें पीतल के बर्तन भेंट किए। अखिलेश यादव ने कहा कि आरोप हैं कि एल्युमिनियम के बर्तन में चाय बनाई जा रही थी। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि मेरे घर में भी एल्युमिनियम के बर्तन हैं। मेरा घर भी सील कर दो। चाय वाले को परेशान किया जा रहा है। एक मुस्लिम नेता को आगे करके शिकायत करवाई गई है जिससे कि केस बन सके। अखिलेश यादव ने 20 फरवरी में एक दौरे पर जाते समय फतेहपुर में रुककर एक दुकान पर चाय पी थी जिसकी तस्वीर उन्होंने एक्स पर पोस्ट कर दी थी। ये पोस्ट वायरल हो गई। इस पर अखिलेश यादव ने लिखा था कि मत डरिए, अपना काम करिए। बुरे दिन जाने वाले हैं। इसके बाद शेषमन यादव की दुकान पर खाद्य सुरक्षा विभाग के अधिकारी पहुंच गए और छापेमारी की। दुकान सील करने की चेतावनी दी। चाय के सैंपल लेकर भेज दिए गए हैं और रिपोर्ट आने पर कार्रवाई की जाएगी। फतेहपुर में चाय की दुकान चलाने वाले शेषमन ने बताया कि जब से अखिलेश भैया दुकान पर आए थे तभी से परेशान किया जा रहा है। 16 अप्रैल को फूड सेफ्टी विभाग के अधिकारी और कर्मचारी आए और पूछा कि एल्यूमिनियम के बर्तन में चाय क्यों बनाते हो? हमारा जीना मुश्किल हो गया है। हम एल्यूमिनियम के बर्तन में नहीं तो क्या सोने-चांदी के बर्तन में चाय बनाएंगे।

स्कूल ड्रेस आपूर्ति का 1.33 करोड़ बकाया,

भुगतान न मिलने पर मानवाधिकार आयोग सख्त

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

लखनऊ और बहराइच के विद्यालयों में स्कूल ड्रेस आपूर्ति करने वाली भारतीय हरित खादी ग्रामोदय संस्था को पांच साल से भुगतान नहीं मिला है। संस्था के अध्यक्ष विजय पांडेय ने मानवाधिकार आयोग में शिकायत कर बताया था कि वर्ष 2019-20 और 2020-21 में मोहनलालगंज, चिनहट व बहराइच के रिसिया ब्लॉक में आपूर्ति के बाद 1.33 करोड़ रुपये बकाया हैं। पत्राचार के बावजूद सुनवाई न होने से संस्था आर्थिक संकट में है। आयोग मामले का संज्ञान लेकर सुनवाई कर रहा है। 15 मार्च को आयोग ने दोनों जिलों के बीएसए को 16 अप्रैल को सुनवाई में उपस्थित होने का आदेश दिया था। आयोग के सदस्य न्यायमूर्ति राजीव लोचन मेहरोत्रा की पीठ के समक्ष 16 अप्रैल को सुनवाई के दौरान शिकायतकर्ता पक्ष से अनूप यादव और भारती हरित ग्राम उदय संस्था के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अभिषेक पाठक उपस्थित हुए। मामले में बहराइच के खंड शिक्षा अधिकारी ने बीएसए बहराइच के 18 अप्रैल तक अवकाश पर होने की जानकारी दी। वहीं, बीएसए लखनऊ सुनवाई में उपस्थित नहीं हुए, जबकि उन्हें सूचना दी गई थी। सुनवाई के दौरान बीईओ बहराइच ने बताया कि यदि संबंधित स्कूलों की सूची और उनसे वसूली योग्य राशि उपलब्ध करा दी जाए, तो बीएसए स्तर पर वसूली में सहयोग किया जा सकता है। इस पर आयोग ने आवेदक को निर्देश दिया कि वह बहराइच व लखनऊ के स्कूलों की सूची और वसूली योग्य राशि सात दिन के भीतर उपलब्ध कराएं।

आयोग ने जिलाधिकारी बहराइच और पुलिस कमिश्नर लखनऊ को निर्देश दिए हैं कि अगली सुनवाई पर दोनों जिलों के बीएसए की उपस्थिति सुनिश्चित कराएं। मामले की अगली सुनवाई 19 मई 2026 को होगी।

लखनऊ में भीषण गर्मी की शुरुआत

अधिकतम तापमान 42 डिग्री तक

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

लखनऊ में भीषण गर्मी की शुरुआत हो चुकी है। इस सीजन में अब तक अधिकतम तापमान 42 डिग्री तक पहुंच गया है। न्यूनतम तापमान भी अपने अधिकतम स्तर 24 डिग्री दर्ज हुआ। इससे रात में खूब गर्मी महसूस की गई। मौसम विभाग के अनुसार, आज यानी रविवार का तापमान 42 डिग्री सेल्सियस पार हो जाएगा। सुबह से ही तेज धूप निकली हुई है। पछुआ हवा भी 10 से 15 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चल रही है। इससे पारा अभी और बढ़ेगा। दिन में तेज धूप के साथ हवा चलती रहेगी। डॉक्टरों ने सलाह दी है कि बिना जरूरी काम के घर के बाहर न निकलें। अपने साथ पानी और ORS लेकर चलें। मौसम विभाग का अनुमान है कि आज लखनऊ का अधिकतम तापमान 42 डिग्री और न्यूनतम तापमान 24 डिग्री दर्ज किया जाएगा। दिन के साथ में रात का पारा भी सामान्य से अधिक रहेगा। कल अधिकतम आर्द्रता 50 फीसदी और न्यूनतम 16 फीसदी दर्ज हुई थी। आर्द्रता घटने से मौसम लू चलने की ओर जा रहा है। लखनऊ समेत पूरे प्रदेश में अगले कुछ दिनों तक तापमान में अभी और बढ़त की संभावना है। मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि शुष्क पछुआ हवा का असर बढ़ने और महाराष्ट्र श्रेत्र में प्रति चक्रवात के असर से पारा में बढ़त की संभावना बनी हुई है। पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने से हवाओं की दिशा बदलेगी और आसमान में आंशिक रूप से बादल छा सकते हैं। इससे बढ़ते तापमान पर थोड़ा ब्रेक लगेगा। फिलहाल, बारिश होने की कोई संभावना नहीं है, केवल गर्मी के तेवर थोड़े नरम पड़ सकते हैं।

यूपी में इंजीनियरिंग कॉलेजों में भी बनेगी स्मार्ट लैब

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

इन लैब में छात्रों को आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस, ड्रोन टेक्नोलॉजी, रोबोटिक्स, मशीन लर्निंग, इंजीनियरिंग सिमुलेशन जैसे अत्याधुनिक क्षेत्रों का भौतिक प्रशिक्षण दिया जाएगा। इतना ही नहीं कॉलेज के शिक्षकों को भी इन अत्याधुनिक क्षेत्र में प्रशिक्षित किया जाएगा ताकि वे छात्रों को बेहतर जानकारी दे सकें। इन सबके माध्यम से युवाओं को राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेज के छात्रों को सामान्य ब्रांच की तरफ भी आकर्षित किया जा सकेगा। अभी बजट आदि कारणों से राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेजों, खासकर नए खुले में अपेक्षाकृत बेहतर लैब नहीं है। इसकी वजह से यहां छात्रों का रुझान कम हो रहा है। प्राविधिक शिक्षा विभाग के साथ-साथ एकेटीयू की ओर से भी अपने छात्रों के साथ ही राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेजों के छात्रों के लिए सुविधाएं बढ़ाई जा रही हैं। विवि की ओर से इंजीनियरिंग छात्रों को नई तकनीकी की जानकारी देने के लिए एआई में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस, स्पेस टेक्नोलॉजी में एक्सीलेंस सेंटर, एप्पल का सेंटर ऑफ एक्सीलेंस, साइबर फोरेंसिक इंवेस्टिगेशन टेक्नोलॉजी में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस व सेमीकंडक्टर से जुड़ी जानकारी देने के लिए केंद्र स्थापित किया जा रहा है। इसका लाभ घटक संस्थानों व राजकीय कॉलेज के छात्रों को भी मिलेगा।

महिला आरक्षण बिल पर भाजपा की बड़ी रणनीति, यूपी में चुनावी मुद्दा बनाने की तैयारी

उत्तर प्रदेश में मंत्रिमंडल विस्तार और भाजपा संगठन में बदलाव को लेकर चिंतन-मंथन के बीच अब महिला आरक्षण बिल को भाजपा बड़ा सियासी मुद्दा बनाने की तैयारी में जुट गई है। सरकार और संगठन मिलकर इस मुद्दे के सहारे अगले साल होने वाले चुनावी जमीन को मजबूत बनाएंगे। इसी कड़ी में शनिवार को दिल्ली से लौटने के बाद भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी और महामंत्री संगठन धर्मपाल सिंह ने देर शाम मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मिलकर इस मुद्दे पर विस्तार से चर्चा की। वहीं, योगी रविवार को भाजपा प्रदेश मुख्यालय में मीडिया से मुखातिब होकर इस मुद्दे पर बात करेंगे।संसद में नारी शक्ति वंदन अधिनियम में संशोधन बिल गिरने के बाद शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के इस मुद्दे पर देश के नाम संबोधन के बाद अब भाजपा यूपी में भी इसे अपनी सियासी जमीन को मजबूत बनाने में जुटेगी। पीएम के संबोधन के बाद पार्टी के प्रदेश मुख्यालय में भी प्रदेश अध्यक्ष और महामंत्री संगठन ने बैठक करके आगे की रणनीति पर चर्चा की। इसका शंखनाद रविवार को ही करने का फैसला किया गया है। सूत्रों के मुताबिक, इस मुद्दे पर विपक्ष को घेरने के लिए भाजपा ने लंबी कार्ययोजना तैयार की है। इसके तहत प्रदेश भर में भाजपा संगठन और सरकार मिलकर विपक्ष को घेरने का अभियान चलाएंगे। इसमें महिलाओं को अधिकार दिए जाने को सपा, कांग्रेस समेत पूरे विपक्ष के रवैये को जनता के सामने रखेंगे। खासकर अभियान के दौरान महिलाओं की भीड़ जुटाकर विपक्ष के बारे में बताया जाएगा। सूत्रों के मुताबिक, 21 अप्रैल को पार्टी के प्रदेश मुख्यालय में महिलाओं का एक बड़ा सम्मेलन भी किया जाएगा। हालांकि इसकी आधिकारिक घोषणा रविवार को सीएम और प्रदेश अध्यक्ष संयुक्त प्रेसवार्ता में करेंगे।

परशुराम जयंती पर पुरवा में भव्य आयोजन, 101 ब्राह्मणों का हुआ सम्मान

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

उन्नाव जनपद के पुरवा क्षेत्र में भगवान परशुराम जयंती के पावन अवसर पर एक भव्य धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन बड़े उत्साह और श्रद्धा के साथ किया गया। यह कार्यक्रम पडली बाजार में प्रमोद वाजपेई के नेतृत्व में संपन्न हुआ, जिसमें क्षेत्र के सैकड़ों श्रद्धालुओं, स्थानीय नागरिकों और गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति रही।कार्यक्रम की शुरूआत विधिवत पूजा-अर्चना और हवन के साथ की गई। वैदिक मंत्रोच्चार के बीच वातावरण पूरी तरह भक्तिमय हो उठा। इसके पश्चात भगवान परशुराम के जीवन, उनके आदर्शों और उनके द्वारा स्थापित धर्म एवं न्याय की परंपराओं पर प्रकाश डाला गया। वक्ताओं ने बताया कि भगवान परशुराम केवल एक योद्धा ही नहीं, बल्कि धर्म, सत्य और न्याय के प्रतीक भी थे, जिनके आदर्श आज भी समाज को दिशा देने का कार्य करते हैं। कार्यक्रम के दौरान भजन-कीर्तन और धार्मिक प्रवचन का आयोजन भी किया गया, जिसमें श्रद्धालु पूरी तन्मयता के साथ शामिल हुए। भजनों की मधुर ध्वनि और प्रवचनों के माध्यम से उपस्थित लोगों को आध्यात्मिक ऊर्जा का अनुभव हुआ। वक्ताओं ने समाज के युवाओं

से भगवान परशुराम के साहस, अनुशासन और कर्तव्यनिष्ठा से प्रेरणा लेने का आह्वान किया। इस आयोजन का मुख्य आकर्षण 101 ब्राह्मणों का सम्मान समारोह रहा। आयोजकों द्वारा सभी ब्राह्मणों को गमछा और माला पहनाकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने ब्राह्मणों का आशीर्वाद प्राप्त किया और समाज में उनके योगदान की सराहना की। सम्मान समारोह के दौरान श्रद्धा और सम्मान का विशेष माहौल देखने को मिला। आयोजकों ने अपने संबोधन में कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम समाज में धार्मिक परंपराओं को जीवित रखने के साथ-साथ आपसी सद्भावना और एकता को भी मजबूत करते हैं। उन्होंने आगे कहा कि ब्राह्मण समाज ने सदियों से ज्ञान, संस्कृति और धर्म के संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, जिसका सम्मान करना हम सभी का कर्तव्य है। इस अवसर पर क्षेत्र के कई गणमान्य व्यक्ति, समाजसेवी और युवा वर्ग भी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। सभी ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए इसे सफल बनाने के लिए आयोजकों को बधाई दी। लोगों ने इस प्रकार के आयोजनों को समाज के लिए प्रेरणादायक बताते हुए भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रम आयोजित किए जाने की आवश्यकता जताई। समग्र रूप से यह आयोजन न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक बना, बल्कि सामाजिक एकता और सांस्कृतिक जागरूकता का भी सशक्त उदाहरण प्रस्तुत किया।

ठेला लगाने के विवाद में हिंसा, चाट विक्रेता पर हमला

उन्नाव के गंगाघाट थाना क्षेत्र में ठेला लगाने को लेकर चल रहा विवाद रविवार को हिंसक झड़प में बदल गया। इस घटना में एक चाट विक्रेता और बीच-बचाव करने पहुंचे पीआरडी जवान पर हमला किया गया, जिससे दोनों घायल हो गए। घायलों को तत्काल जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका उपचार जारी है। घटना मरहला चौराहा के पास की है। आजाद नगर निवासी राम केश चाट और पानी बताशे का ठेला लगाते हैं। बताया जा रहा है कि ठेला लगाने के स्थान को लेकर उनका पहले से ही कुछ लोगों के साथ विवाद चल रहा था। रविवार को इसी बात को लेकर कुलदीप नामक युवक और उसके साथ आए 7 अज्ञात लोगों ने राम केश से कहासुनी के बाद मारपीट शुरू कर दी। हमले में राम केश को गंभीर चोटें आईं। घटना की सूचना मिलते ही आसपास के लोग मौके पर जुट गए और पुलिस को जानकारी दी। इसी दौरान जब घायल राम केश को मेडिकल के लिए ले जाया जा रहा था, तब पीआरडी जवान धर्मेश श्रीवास्तव मौके पर पहुंचे और स्थिति को शांत कराने का प्रयास किया। आरोप है कि हमलावरों ने उनके साथ भी अभद्रता की और उन पर हमला कर दिया, जिससे वह भी घायल हो गए।घटना के बाद क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने हालात को काबू में किया और दोनों घायलों को एंबुलेंस के जरिए जिला अस्पताल भिजवाया। चिकित्सकों के अनुसार, दोनों की हालत फिलहाल स्थिर है।पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। क्षेत्राधिकारी दीपक यादव ने बताया कि मारपीट और सरकारी कर्मचारी पर हमला करने के मामले में कड़ी कार्रवाई की जाएगी और जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार किया जाएगा।

बाल विवाह रोकने को मंदिरों व सार्वजनिक स्थलों पर जागरूकता

आज दिनांक 19.04.2025 को जनपद उन्नाव में जिलाधिकारी महोदय, मुख्य विकास अधिकारी महोदया के आदेश एवं जिला प्रोबेशन अधिकारी महोदय के निर्देशन में अक्षय तृतीया के अवसर पर बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम-2006 के तहत व्यापक जागरूकता अभियान चलाया गया। इस अभियान के अंतर्गत अध्यक्ष बाल कल्याण समिति श्रीमती प्रीति सिंह, बाल संरक्षण अधिकारी संजय कुमार मिश्र उन्नाव तथा सदर कोतवाली की महिला सिपाहियों की टीम ने गोकुल बाबा मंदिर, अन्नपूर्णा मंदिर, पेंटिंग प्रेस, विभिन्न होटलों एवं आर्य समाज मंदिर का भ्रमण किया।इस दौरान टीम ने वहां मौजूद लोगों, दुकानदारों और श्रद्धालुओं को बाल विवाह न करने के लिए प्रेरित किया और इसके दुष्परिणामों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। लोगों को बताया गया कि कानून के अनुसार लड़के की न्यूनतम आयु 21 वर्ष और लड़की की 18 वर्ष निर्धारित है। इससे कम आयु में विवाह कराना या उसमें सहयोग करना दंडनीय अपराध है, जिसके लिए दोषियों को 2 वर्ष तक का कठोर कारावास या 1 लाख रुपये तक का जुर्माना अथवा दोनों दंड दिए जा सकते हैं।अधिकारियों ने यह भी बताया कि बाल विवाह से बच्चों के स्वास्थ्य, शिक्षा और भविष्य पर गंभीर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है, इसलिए समाज के हर वर्ग को इसके खिलाफ जागरूक होना जरूरी है। टीम ने स्वयंसेवी संगठनों, समाजसेवियों और आम नागरिकों से अपील की कि वे विशेषकर अक्षय तृतीया (आखा तीज) जैसे अवसरों पर बाल विवाह रोकने में सक्रिय सहयोग करें।इसके साथ ही आमजन को यह जानकारी भी दी गई कि किसी भी संदिग्ध बाल विवाह की सूचना तुरंत 112 नंबर, 1098 चाइल्ड हेल्पलाइन या नजदीकी थाना/चौकी पर दें, ताकि समय रहते कार्रवाई की जा सके और बच्चों का भविष्य सुरक्षित किया जा सके।

गंगाघाट में कटान रोकने के लिए तेज हुए कार्य

उन्नाव के गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र में गंगा नदी के किनारे हो रहे लगातार कटान को रोकने के लिए प्रशासन और जनप्रतिनिधियों ने सक्रियता बढ़ा दी है। मिश्रा कॉलोनी में दो दिन पहले कटान निरोधक कार्य का भूमि शिलान्यास होने के बाद रविवार सुबह से ही मौके पर तेज गति से कार्य शुरू कर दिया गया। कटान को नियंत्रित करने के लिए पोकलैंड जैसी आधुनिक मशीनों का उपयोग किया जा रहा है, जिससे निर्माण कार्य में तेजी आई है। इस पहल से स्थानीय लोगों में राहत की उम्मीद जगी है। सदर विधायक पंकज गुप्ता ने बताया कि गंगाघाट क्षेत्र में हर वर्ष कटान गंभीर समस्या बन जाती है, जिससे किसानों की उपजाऊ जमीन और कई परिवारों के मकान खतरे में पड़ जाते हैं। उन्होंने बताया कि इस समस्या के समाधान के लिए शासन स्तर पर ठोस योजना बनाई गई है, जिसके तहत बांध निर्माण और अन्य सुरक्षात्मक कार्य कराए जा रहे हैं।

ट्रांस गंगा सिटी में किसानों को मिलेंगे मुफ्त प्लॉट: अजय अनमोल का दावा

उन्नाव की ट्रांस गंगा सिटी परियोजना को लेकर किसानों के लिए एक महत्वपूर्ण घोषणा सामने आई है। किसान आंदोलन के प्रदेश संयोजक अजय अनमोल ने दावा किया है कि परियोजना के अंतर्गत किसानों को नि:शुल्क प्लॉट दिए जाएंगे, जिससे वे सिटी के मालिकाना हक में भागीदार बन सकेंगे। यह जानकारी उन्होंने नयाखेड़ा गांव स्थित किसान कार्यालय में आयोजित निशुल्क प्लॉट आवंटन निगरानी समिति की साप्ताहिक बैठक के दौरान दी।अजय अनमोल के अनुसार, ट्रांस गंगा सिटी के 11 विभिन्न सेक्टरों में किसानों को प्लॉट आवंटित किए जाने की योजना है। इन प्लॉटों का लैंड यूज 'मिक्स्ड यूज' रखा जाएगा, जिससे किसान उनका उपयोग आवासीय और व्यावसायिक दोनों उद्देश्यों के लिए कर सकेंगे। उन्होंने बताया कि इन प्लॉटों का संभावित बाजार मूल्य ई-नीलामी के माध्यम से बिकने वाले आवासीय प्लॉटों से लगभग डेढ़ गुना अधिक हो सकता है।उन्होंने इस पहल को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि वर्तमान में सिटी में आवासीय प्लॉट 24 हजार रुपये प्रति वर्ग मीटर से अधिक की दर पर नीलाम हो रहे हैं, ऐसे में किसानों को नि:शुल्क प्लॉट मिलना एक बड़ी उपलब्धि है। उनके मुताबिक, यह देश में पहली बार होगा जब किसी सिटी परियोजना में भूमि देने वाले किसानों को सीधे तौर पर मालिकाना हक प्रदान किया जा रहा है, जिससे उनके जीवन स्तर में सुधार और आर्थिक सशक्तिकरण संभव होगा।किसानों को उनका अधिकार जल्द दिलाने के उद्देश्य से अजय अनमोल ने लखनऊ में राज्यपाल, यूपीसीडा (UPSIDA) के वरिष्ठ अधिकारियों और उन्नाव जिला प्रशासन के साथ वार्ता भी की है। उन्होंने विश्वास जताया कि नि:शुल्क प्लॉट आवंटन की प्रक्रिया शीघ्र शुरू की जाएगी।बैठक में कई किसान नेता और पदाधिकारी मौजूद रहे, जिनमें जिला महासचिव प्रदीप निषाद, जिला उपाध्यक्ष सुभाष राजपूत, जिला संगठन मंत्री लल्लन शर्मा, जिला कोषाध्यक्ष राजीव वर्मा, जिला सचिव करन त्रिवेदी, तहसील अध्यक्ष कल्याण सिंह राजपूत और ब्लॉक प्रभारी दीपचंद राजपूत प्रमुख रहे। इसके अलावा बड़ी संख्या में किसान भी बैठक में उपस्थित रहे।

चाय पर सियासत गरम!

अखिलेश का सरकार पर सीधा वार

फतेहपुर में चाय की दुकान पर खाद्य विभाग की छापेमारी को लेकर अखिलेश यादव ने सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने इसे गरीब चायवाले का उत्पीड़न बताया। प्रशासन ने कार्रवाई को शिकायत आधारित बताया, जबकि मामला अब राजनीतिक रूप ले चुका है।

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने फतेहपुर में एक चाय की दुकान पर हुई छापेमारी को लेकर राज्य सरकार और प्रशासन पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने आरोप लगाया कि एक गरीब चाय विक्रेता को अनावश्यक रूप से परेशान किया जा रहा है और इस मामले को राजनीतिक रूप दिया जा रहा है। दरअसल, फतेहपुर में स्थित एक चाय की दुकान पर खाद्य सुरक्षा विभाग ने छापेमारी करते हुए चाय के सैंपल जांच के लिए भेजे थे। आरोप था कि चाय एल्युमिनियम के बर्तन में बनाई जा रही है, जो मानकों के अनुरूप नहीं है। इस कार्रवाई के बाद मामला चर्चा में आ गया, खासकर इसलिए क्योंकि कुछ समय पहले अखिलेश यादव ने इसी दुकान पर चाय पी थी। लखनऊ स्थित पार्टी कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान अखिलेश यादव ने कहा कि चायवाले को जानबूझकर निशाना बनाया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि एक समुदाय विशेष के व्यक्ति को आगे कर मारपीट कराई गई ताकि मामला दर्ज किया जा सके और दबाव बनाया जा सके। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि यदि एल्युमिनियम के बर्तन में चाय बनाना गलत है, तो उनके घर में भी ऐसे बर्तन हैं, फिर उनका घर भी सील कर दिया जाए। उन्होंने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ (अजय सिंह बिष्ट) पर भी निशाना साधते हुए कहा कि सरकार विरोधियों को दबाने के लिए इस तरह की कार्रवाइयों का सहारा ले रही है। उन्होंने यह भी कहा कि जब धार्मिक नेताओं तक को नहीं बख्शा गया, तो आम जनता की स्थिति समझी जा सकती है। अखिलेश यादव ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' (पूर्व में ट्विटर) पर भी इस मुद्दे को उठाया और लिखा कि गरीबों को डराने की कोशिश की जा रही है, लेकिन उन्हें अपने काम से पीछे नहीं हटना चाहिए। उन्होंने भरोसा जताया कि "बुरे दिन जाने वाले हैं। "इस पूरे घटनाक्रम के पीछे की कहानी यह है कि 16 अप्रैल को खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने शिकायत के आधार पर दुकान पर छापेमारी की थी। खाद्य निरीक्षक धीरेंद्र दीक्षित के अनुसार, आईजीआरएस पोर्टल पर दर्ज शिकायत के बाद यह कार्रवाई की गई और चाय के नमूने जांच के लिए भेजे गए हैं। दुकान के मालिक शेषमन यादव ने आरोप लगाया कि जब से अखिलेश यादव उनकी दुकान पर चाय पीने आए हैं, तब से उन्हें लगातार परेशान किया जा रहा है। उन्होंने सवाल उठाया कि अगर एल्युमिनियम के बर्तन में चाय बनाना गलत है, तो क्या अब सोने-चांदी के बर्तनों में चाय बनाई जाए।गौरतलब है कि 20 फरवरी को फतेहपुर दौरे के दौरान अखिलेश यादव ने इस दुकान पर रुककर कुल्हड़ में चाय पी थी और उसकी सराहना भी की थी। इसके बाद यह दुकान क्षेत्र में चर्चा का विषय बन गई थी।इस मामले ने अब राजनीतिक तूल पकड़ लिया है, जहां एक ओर विपक्ष इसे उत्पीड़न बता रहा है, वहीं प्रशासन इसे नियमों के तहत की गई सामान्य कार्रवाई बता रहा है।

उत्तर प्रदेश में भीषण गर्मी का कहर, 26 जिलों में पारा 40°C पार

उत्तर प्रदेश में भीषण गर्मी का प्रकोप लगातार बढ़ता जा रहा है। राज्य के 26 जिलों में तापमान 40°C या उससे अधिक दर्ज किया गया है। रविवार को अधिकांश जिलों में सुबह से ही तेज धूप ने लोगों को परेशान किया। हवा की रफ्तार कम होने के कारण उमस में भी वृद्धि हुई, जिससे जनजीवन प्रभावित हुआ और सड़कों पर अपेक्षाकृत सन्नाटा देखने को मिला। गर्मी के बढ़ते असर को देखते हुए वाराणसी और प्रयागराज में कक्षा 8 तक के स्कूलों की समय-सारिणी में बदलाव किया गया है। वहीं, कई स्थानों पर लोग दिन के समय घरों में ही रहने को मजबूर हैं। पशु-पक्षियों पर भी गर्मी का प्रभाव साफ दिखाई दे रहा है। गोरखपुर चिड़ियाघर में बाघ तालाब से बाहर नहीं आ रहा है, जबकि पीलीभीत टाइगर रिजर्व में बारहसिंगा पानी में समय बिता रहे हैं। गर्मी के बीच आगजनी की घटनाएं भी सामने आई हैं। मेरठ में एक घर में एसी कंप्रेसर फटने से आग लग गई, जिसने पूरे घर को अपनी चपेट में ले लिया। हालांकि, इस घटना में कोई जनहानि नहीं हुई। वहीं, फिरोजाबाद की 150 साल पुरानी सब्जी मंडी में देर रात भीषण आग लग गई, जिसमें 60 से अधिक दुकानें जलकर राख हो गईं। पिछले 24 घंटे में बांदा देश का तीसरा सबसे गर्म शहर रहा, जहां अधिकतम तापमान 44.6°C दर्ज किया गया। इससे पहले बांदा एशिया का सबसे गर्म शहर भी रह चुका है। मौसम विभाग के अनुसार, इस वर्ष गर्मी ने सामान्य से लगभग 10 दिन पहले ही अपना असर दिखाना शुरू कर दिया है।भारतीय मौसम विभाग (IMD) ने 20 अप्रैल के लिए कई जिलों में हीटवेव (लू) का अलर्ट जारी किया है। पूर्वी उत्तर प्रदेश के प्रयागराज, वाराणसी, मिर्जापुर, चंदौली, सोनभद्र सहित कई जिलों में दिन के समय लू चलने की संभावना है। साथ ही कुछ पश्चिमी जिलों में रातें भी गर्म रहने की चेतावनी दी गई है। प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि वे दोपहर के समय अनावश्यक बाहर न निकलें और गर्मी से बचाव के उपाय अपनाएं।

फिरोजाबाद की 150 साल पुरानी सब्जी मंडी में भीषण आग, 60 से अधिक दुकानें खाक

फिरोजाबाद की 150 साल पुरानी सब्जी मंडी में भीषण आग लगने से 60 से अधिक दुकानें जलकर खाक हो गईं। आग की चपेट में आने से मार्केट के सामने स्थित एक गारमेंट की दुकान सहित 7 अन्य दुकानें भी धू-धू कर जल गईं। देर रात जब लोगों को घटना की जानकारी मिली, तब तक अधिकांश दुकानें जल चुकी थीं। सूचना मिलने पर पहुंची छह दमकल गाड़ियों ने करीब चार घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। शनिवार को हुई यह घटना शिकोहाबाद के कटरा बाजार की है। आग लगने के कारणों का अभी पता नहीं चल सका है। हालांकि, शुरुआती जांच में शॉर्ट सर्किट को संभावित वजह माना जा रहा है। राजस्व और फायर विभाग की टीमें नुकसान का आकलन कर रही हैं। शिकोहाबाद के कटरा बाजार में 150 साल पुरानी सब्जी मंडी है। मंडी में 60 दुकानें हैं। यह शहर में फल-सब्जियों की सबसे बड़ी मंडी है। रोजाना यहां लाखों का व्यापार होता है। शनिवार देर रात करीब 2 बजे किन्हीं वजहों से एक दुकान में आग लगी। कुछ ही देर में आग पूरे मार्केट में फैल गई। स्थानीय लोगों को जानकारी होती, इसके पहले आग की लपटों ने पूरे मार्केट को अपने लपेटें में ले लिया। आग इतनी भयावह थी कि लपटें आसमान में 10-10 फीट ऊंची उठ रही थी। कई किलोमीटर दूर से ही आग की लपटें और धुएं का गुबार देखा जा सकता था। सब्जी मंडी की आग फैलते हुए पास के एक दूसरे मार्केट में तक पहुंच गई। वहां सात दुकानों में आग फैल गई। देखते ही देखते वहां गारमेंट की दुकान सहित अन्य 6 दुकानें भी जलकर खाक हो गईं। मार्केट में आग की जानकारी होने पर दुकानदार व आसपास के लोग पहुंचे।

महिला आरक्षण बिल पर सीएम योगी का विपक्ष पर तीखा हमला

रविवार को आयोजित एक संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भारतीय जनता पार्टी और सहयोगी दलों के साथ मिलकर विपक्षी दलों, विशेषकर समाजवादी पार्टी और कांग्रेस पर तीखा हमला बोला। इस दौरान उन्होंने संसद में पारित महिला आरक्षण बिल को लेकर विपक्ष पर गंभीर आरोप लगाए और उसे महिला विरोधी बताया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि संसद में वर्तमान में 78 महिला सांसद हैं, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस संख्या को और बढ़ाना चाहते थे। उनके अनुसार, समाजवादी पार्टी और कांग्रेस ने इस प्रयास में बाधा डाली। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्ष परिवारवाद की राजनीति करता है और नहीं चाहता कि अन्य महिलाओं को भी राजनीतिक अवसर मिले। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि वर्ष 2023 में नारी शक्ति वंदन अधिनियम को मंजूरी दी गई थी और इसे 2029 से लागू करने के लिए संशोधन बिल लाया गया था। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री ने स्पष्ट किया था कि किसी का अधिकार नहीं छीना जाएगा और लोकसभा एवं विधानसभा में सीटें बढ़ाई जाएंगी। उन्होंने यह भी कहा कि दक्षिणी राज्यों को उनके प्रतिनिधित्व को लेकर आश्वस्त किया गया था। मुख्यमंत्री ने विपक्षी दलों के व्यवहार की तुलना "द्रौपदी के चीरहरण" से करते हुए कहा कि सदन में जिस प्रकार की भाषा और आचरण देखने को मिला, वह अत्यंत निंदनीय है। उन्होंने आरोप लगाया कि समाजवादी पार्टी और कांग्रेस महिलाओं के अधिकारों के विरोध में खड़े रहे हैं, जिससे पूरे देश में आक्रोश है।योगी आदित्यनाथ ने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने सत्ता संभालते ही स्पष्ट किया था कि देश में चार प्रमुख वर्ग हैं—नारी, गरीब, युवा और किसान। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्ष ने हमेशा प्रगतिशील कदमों का विरोध किया है और केवल परिवारवाद को बढ़ावा दिया है। उन्होंने सपा पर निशाना साधते हुए कहा कि वह मुस्लिम महिलाओं के आरक्षण की बात करती है, जबकि संविधान धर्म आधारित आरक्षण की अनुमति नहीं देता। उन्होंने शाह बानो केस और तीन तलाक कानून का उल्लेख करते हुए विपक्ष के दोहरे रवैये पर सवाल उठाए।